वित्तीय विवरण – 2

10

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अध्ययन के उपरांत आप:

- वित्तीय विवरण तैयार करते समय समायोजन की आवश्यकता को समझ सकेंगे;
- अदत्त तथा पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित तथा अग्रिम प्राप्त आय के लेखांकन व्यवहार को विस्तार से समझ सकेंगे;
- ह्रास, डूबत ऋण, संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान और देनदारों पर बट्‌टे के लिये प्रावधान से संबंधित समायोजनों पर तर्क कर सकेंगे;
- प्रबंधक कमीशन तथा पूँजी पर ब्याज की अवधारणा तथा समायोजन को समझ सकेंगे;
- लाभ–हानि खाता तथा तुलन–पत्र समायोजन सहित तैयार कर सकेंगे;
- वित्तीय विवरणों का शीर्ष प्रस्तुतिकरण कर सकेंगे।

अध्याय 9 में आपने अंतिम खाते बनाने की प्रक्रिया का अध्ययन व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन–पत्र के प्रारूप से किया। साधारण अंतिम खातों का निर्माण व्यावसायिक प्रचालन प्रक्रिया में लेखांकन जटिलताओं की अनुपस्थिति, जो कि व्यापार में समान्य है, के पूर्वानुमान पर आधारित होता है। यह जटिलताएं आय तथा वित्तीय स्थिति के निर्धारण हेतु उपार्जन आधार पर होने वाले तथ्यों के कारण उत्पन्न होती हैं। इससे आश्य है कि लाभप्रदता के निर्धारण के लिए आय जो कमाई जा चुकी है, के आधार पर करना चाहिये न कि प्राप्ति के आधार पर तथा व्ययों का निर्धारण उत्पत्ति के आधार पर किया जाना चाहिये न कि भुगतान के आधार पर। इसलिए अनेक मदों को वित्तीय विवरण बनाते समय कुछ समायोजन की आवश्यकता होती है। इस अध्याय में हम उन सभी मदों का अध्ययन करेंगे जिनमें समायोजन की आवश्यकता है, साथ ही यह भी जानेंगे कि किस तरह इन्हें अंतिम खातों में समायोजित किया जाता है।

10.1 समायोजन की आवश्यकता

लेखांकन के उपार्जन परिकल्पना के अनुसार एक लेखांकन वर्ष लाभ अथवा हानि की गणना, आगम की रोकड़ के रूप में वसूली, तथा वर्ष के दौरान भुगतान किए गए व्ययों पर आधारित नहीं है क्योंकि चालू वर्ष के दौरान कुछ ऐसी आय प्राप्तियाँ एवं भुगतान किये गए व्यय हो सकते हैं जो आंशिक रूप से गत वर्ष अथवा आगामी वर्ष से संबंधित हों। ऐसा भी हो सकता है कि चालू वर्ष से संबंधित कुछ आगम तथा व्यय जिसे लेखा पुस्तकों में दर्शाना बाकी है। इसलिए जब तक कि इन मदों का समायोजन नहीं हो जाता तब तक अंतिम खाते, एक व्यापार की वास्तविक तथा उचित अवस्था को प्रदर्शित नहीं करेंगे।

© NCERT not to be republished

अब हम एक उदाहरण लेते हैं जिसमें 1,200 रूपये की राशि का भुगतान 1 जुलाई 2005 को बीमा प्रीमियम के लिये किया गया। आप जानते हैं कि किसी भी सामान्य बीमा प्रीमियम का भुगतान सामान्यतया 12 महीने की अवधि के लिये किया जाता है। मान लेते हैं कि लेखांकन वर्ष का अंत 31 मार्च 2006 को होगा। इससे आश्य है कि 1 जुलाई, 2005 को भुगतान किए गए बीमा प्रीमियम का 1/4 भाग आगामी लेखांकन वर्ष 2006-07 से संबंधित है। इसलिए 2005-06 का वित्तीय विवरण बनाते समय बीमा प्रीमियम पर किए गए व्यय को 900 (1200 रु. – 300 रु.) रुपये लाभ–हानि खाते के नाम लिखे जायेंगे।

अब हम एक अन्य उदाहरण लेते हैं। मार्च 2005 माह के वेतन का 7 अप्रैल 2005 को भुगतान किया गया। इससे आशय है कि 2004-05 के वेतन खाते में मार्च 2005 का वेतन शामिल नहीं है। इस प्रकार के भुगतान न किये गये वेतन को *बकाया वेतन* कहेंगे तथा इस राशि को लाभ–हानि खाते के नाम पक्ष की ओर अप्रैल 2004 से लेकर फरवरी 2005 तक भुगतान किये गये वेतन के साथ पुस्तकों में लिखा जाएगा। इसी प्रकार कुछ अग्रिम प्राप्त आय तथा वह आय जो उपार्जित हो चुकी है परन्तु अभी भी प्राप्त होनी बाकी है का समायोजन भी आवश्यक हो सकता है। इसके अतिरिक्त यहाँ कुछ मदें जैसे कि परिसंपत्तियों पर ह्रास, पूँजी पर ब्याज आदि, जो कि दिन–प्रतिदिन अभिलेखित नहीं की जाती है, को भी वित्तीय विवरण तैयार करते समय समायोजित किया जाता है। अनेक समायोजनों का उद्देश्य अंतिम खातों द्वारा एक व्यवसाय की लाभ–हानि की गणना तथा वित्तीय स्थिति का सच्चा चित्र प्रस्तुत करना होता है। वह मदें जिन्हें आमतौर पर समायोजन की आवश्यकता होती है निम्न हैं:

1 अंतिम स्टॉक
2 बकाया व्यय
3 पूर्वदत्त/असमाप्त व्यय
4 उपार्जित आय
5 अग्रिम प्राप्त आय
6 ह्रास
7 डूबत ऋण
8 संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान
9 देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान
10 प्रबंधक कमीशन
11 पूँजी पर ब्याज

वित्तीय विवरण बनाते समय यह ध्यान देने योग्य है कि जिन मदों का समायोजन करना है उनका वर्णन तलपट के साथ अतिरिक्त सूचनाओं के रूप में उपलब्ध होता है। सभी समायोजन अंतिम खातों में दोहरी प्रविष्टि को पूरा करने के लिए दो स्थानों पर किये जाते हैं। अध्याय 9 में वर्णित उदाहरण में जो कि अंकित के तलपट को दर्शाता है। चित्र 10.1 में पुन: प्रदर्शित किया गया है:

© NCERT not to be republished

31 मार्च 2005 को अंकित का तलपट

खाता शीर्षक	*तत्व*	*ब.पृ.सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
रोकड़	परिसंपत्ति		1,000	
बैंक	परिसंपत्ति		5,000	
मजदूरी	व्यय		8,000	
वेतन	व्यय		25,000	
फर्नीचर	परिसंपत्ति		15,000	
भवन का किराया	व्यय		13,000	
देनदार	परिसंपत्ति		15,500	
डूबत ऋण	व्यय		4,500	
क्रय	व्यय		75,000	
पूँजी (समता)				12,000
विक्रय	आगम			1,25,000
लेनदार	दायित्व			15,000
(1-4-2004 का लिये) दीर्घ अवधि ऋण	दायित्व			5,000
प्राप्त कमीशन	आगम			5,000
			1,62,000	1,62,000

अतिरिक्त सूचनायें : 31 मार्च 2005 को स्टॉक 15,000 रु. का है।

चित्र 10.1: *अंकित का तलपट*

अब हम समायोजन की जाने वाली मदों का अध्ययन करेंगे और आप देखेंगे कि किस प्रकार से यह समायोजन, वित्तीय स्थिति तथा लाभ–हानि खाते का सच्चा चित्रण प्रस्तुत करने में सहायक होते हैं।

10.2 अंतिम स्टॉक

जैसा कि अध्याय 9 में समझाया गया है, अंतिम स्टॉक एक लेखांकन वर्ष के अंत में भण्डार गृह में रखे हुए बिना बिके माल के मूल्य को दर्शाता है। अंतिम स्टॉक से संबंधित समायोजन निम्न प्रकार से किया जाएगा:

(i) व्यापार तथा लाभ–हानि खाते में जमा पक्ष की ओर; तथा

(ii) तुलन–पत्र में परिसम्पत्ति पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा।

© NCERT not to be republished

इस संदर्भ में जो समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी, वह है:

अंतिम स्टॉक खाता नाम
व्यापारिक खाते से

वर्ष का अंतिम स्टॉक, आगामी वर्ष के तलपट में आरंभिक स्टॉक के रूप में दर्शाया जाएगा। 31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष में अंकित का व्यापार और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र में निम्न प्रकार दर्शाया जाएगा:

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये अंकित का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
क्रय	75,000	विक्रय	1.25,000
मजदूरी	8,000	अंतिम स्टॉक	15,000
सकल लाभ आ/ला	57,000		
	1,40,000		1,40,000
वेतन	25,000	सकल लाभ आ/ले	57,000
भवन का किराया	13,000	प्राप्त कमीशन	5,000
डूबत ऋण	4,500		
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)	19,500		
	62,000		62,000

कभी-कभी आरंभिक तथा अंतिम स्टॉक को क्रय खाते के द्वारा समायोजित किया जाता है। इस स्थिति में निम्न प्रविष्टि अभिलेखित की जाएगी:

अंतिम स्टॉक खाता नाम
क्रय खाते से

यह प्रविष्टि क्रय खाते की राशि को घटाती है तथा इसे *समायोजित क्रय* भी कहते हैं। इस मद को व्यापारिक और लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाता है। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि अंतिम स्टॉक को व्यापार और लाभ व हानि खाते में नहीं दर्शाया जाएगा क्योंकि इसे पहले से ही क्रय खाते में समायोजित किया जा चुका है। केवल इस स्थिति में ही नहीं अपितु आरंभिक स्टॉक भी व्यापार और लाभ व हानि खाते में पृथक रूप से नहीं दर्शाया जाएगा। जैसा कि निम्न प्रविष्टि द्वारा पहले ही क्रय खाते में समायोजित किया गया है:

क्रय खाता नाम
आरंभिक स्टॉक खाते से

इस संदर्भ में अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि जब आरंभिक एवं अंतिम स्टॉक क्रय खाते द्वारा समायोजित किया जाता है तो तलपट में आरंभिक स्टॉक को नहीं दर्शाया जाता। अपितु अंतिम स्टॉक को तलपट में दर्शाया

© NCERT not to be republished

जाएगा (अतिरिक्त सूचना और समायोजित मद के रूप में नहीं) और इस प्रकार समायोजित क्रय को भी। इस प्रकार की स्थिति में आपको याद रखना चाहिये कि समायोजित क्रय, व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में नाम पक्ष की ओर लिखा जाएगा। अंतिम स्टॉक को तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में निम्न प्रकार दर्शायेंगे।

31 मार्च 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपत्तियाँ*	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	19,500	31,500	*चालू परिसंपत्तियाँ*	
गैर चालू दायित्व			देनदार	15,500
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	बैंक	5,000
चालू दायित्व			रोकड़	1,000
लेनदार		15,000	**अंतिम स्टॉक**	**15,000**
		51,500		51,500

10.3 बकाया व्यय

किसी व्यावसायिक संस्था के लिए यह आम बात है कि वर्ष के दौरान व्यावसायिक प्रचालन में कुछ व्ययों का भुगतान लेखांकन वर्ष के अंत तक नहीं हो पाता है। ऐसे व्यय मजदूरी, वेतन, ऋण पर ब्याज आदि हो सकते हैं। लेखांकन वर्ष के अंत तक न किये गए भुगतानों को *बकाया व्यय* कहते हैं। चूंकि यह चालू वर्ष के दौरान उत्पन्न आगम से संबंध रखते हैं, यह तर्कसंगत है कि इन व्ययों को सही लाभ-हानि की राशि की गणना करने के लिये आगम पर प्राभार रूप में दर्शाया जाये। इस प्रकार के व्ययों की प्रविष्टि खातों में निम्न प्रकार से की जाएगी:

संबंधित व्यय खाता	नाम		
बकाया व्यय खाते से			

उपरोक्त प्रविष्टि से एक नया खाता ''बकाया व्यय'' खोला जाएगा जो कि तुलन-पत्र में दायित्व पक्ष में दर्शाया जाएगा। व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता बनाते समय अदत्त व्यय की राशि को संबंधित कुल व्यय में जोड़कर दर्शाया जाएगा। उदाहरण के लिए:

श्री अंकित के तुलन-पत्र के संबंध में (चित्र 10.1) आपने देखा होगा कि मजदूरी को 8,000 रु. पर दर्शाया गया है। हम मान लेते हैं कि श्री अंकित द्वारा 2004-05 वर्ष में 500 रूपये की मजदूरी राशि अपने एक कर्मचारी पर बकाया है। ऐसी स्थिति में मजदूरी पर सही व्यय राशि 8,500 रुपये होगी न कि 8,000 रुपये। अंकित के द्वारा व्यापारिक और लाभ व हानि खाते 8,500 रु. मजदूरी दर्शायी जायेगी और चालू दयित्व के रूप में 500 रुपये अपने कर्मचारी के प्रति देय दर्शाये जाएंगे। इसको *बकाया मजदूरी* से संबंधित किया जायेगा और इसका समायोजन मजदूरी खाते में निम्न प्रविष्टि को अभिलेखित करके किया जायेगा।

मजदूरी खाता	नाम	500	
बकाया मजदूरी खाते से			500

© NCERT not to be republished

व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाते समय बकाया मजदूरी की राशि को मजदूरी खाते में जोड़ा जायेगा जो कि निम्न प्रकार से है:

31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिये अंकित का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	**8,000**		अंतिम स्टॉक	15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	**500**	8,500		
सकल लाभ आ/ला		56,500		
		1,40,000		1,40,000
वेतन		25,000	सकल लाभ आ/ले	56,000
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	
डूबत ऋण		4,500		
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		19,000		
		61,500		61,500

अंकित के व्यापारिक और लाभ व हानि खाते को ध्यानपूर्वक देखें। क्या आपने गौर किया कि बकाया मजदूरी के कारण निवल लाभ की राशि कम होकर 19,000 रुपये हो गई है। तुलन-पत्र में अदत्त मजदूरी से संबंधित मद निम्न प्रकार दर्शायी जाएगी।

31 मार्च 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			गैर चालू स्थायी परिसम्पत्तियाँ	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	19,000	31,000	चालू परिसंपत्तियाँ	
दीर्घ अवधि के लिए ऋण		5,000	देनदार	15,500
चालू दायित्व			बैंक	5,000
लेनदार		15,000	रोकड़	1,000
बकाया मजदूरी		**500**	अंतिम स्टॉक	15,000
		51,500		51,500

© NCERT not to be republished

10.4 पूर्वदत्त व्यय

व्यापारिक क्रियाकलापों के दौरान बहुत सी व्यय की मदों का भुगतान अग्रिम रूप में ही कर दिया जाता है। लेखांकन वर्ष की अवधि के दौरान यह पाया जाता है कि इन व्ययों की उपयोगिता पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हुई है और इनसे प्राप्त उपयोगिता का कुछ भाग आगामी वर्ष में प्राप्त होगा। इन व्ययों का वह भाग जो आगामी वर्ष में हस्तांतरित किया जाएगा, पूर्वदत्त व्यय कहलाएंगे। पूर्वदत्त व्ययों के संबंध में आवश्यक समायोजन प्रविष्टि निम्न प्रकार से अभिलेखित की जाएगी।

पूर्वदत्त व्यय खाता	नाम		
संबंधित व्यय खाते से			

उपरोक्त समायोजन प्रविष्टि का प्रभाव यह होगा कि पूर्वदत्त राशि का भाग, कुल संबंधित व्यय में से घटा दिया जाएगा और एक जमा खाता ''पूर्वदत्त व्यय'' को तुलन-पत्र के दायित्व पक्ष में दिखलाएंगे।

उदाहरण के लिये अंकित के तलपट ये हम यह मान लेते हैं कि कर्मचारी को भुगतान की गई वेतन की राशि में 5,000 रु. शामिल है जो किसी एक कर्मचारी को कार्यालय में कार्य करने के लिये अंग्रिम रुप से दी गई थी। इससे यह ज्ञात होता है कि अंकित ने अपने कर्मचारी को 5,000 रु. अग्रिम के वेतन का भुगतान किया है, इसलिए चालू अवधि के वेतन खाते में सही व्यय की राशि 25,000 रुपये की अपेक्षा 20,000 रु. होगी। अंकित वेतन व्यय के रूप में लाभ व हानि खाते में 20,000 रुपये तथा तुलन-पत्र चालू परिसंपत्ति पक्ष में 5,000 रुपये पूर्वदत्त वेतन के रुप में दिखाएगा। इस संदर्भ में निम्न रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी।

पूर्वदत्त वेतन खाता	नाम	5,000	
वेतन खाते से			5,000

व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में पूर्वदत्त वेतन को निम्न प्रकार दर्शायेंगे।

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक	15,000
जोड़ा अदत्त मजूदरी	500	8,500		
सकल लाभ आ/ला		56,500		
		1,40,000		1,40,000
वेतन	**25,000**		सकल लाभ आ/ले	56,500
***घटाया* पूर्वदत्त वेतन**	**(5,000)**	20,000	प्राप्त कमीशन	5,000
भवन का किराया		13,000	डूबत ऋण	4,500
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		24,000		
		65,000		65,000

© NCERT not to be republished

आप देखेंगे कि किस प्रकार 5,000 रुपये के पूर्वदत्त वेतन के परिणामस्वरूप निवल लाभ में वृद्धि आई है तथा निवल लाभ 24,000 हो गया है। पूर्वदत्त वेतन से संबंधित मद तुलन-पत्र कोई परिसंपत्ति पक्ष में निम्न प्रकार दर्शायेंगे।

31 मार्च 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
स्वमित्व निधि			*गैर चालू परिसंपत्तियाँ*	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	24,000	36,000	*चालू परिसंपत्तियाँ*	
गैर चालू दायित्व			देनदार	15,500
दीर्घ अवधि के ऋण		5,000	**पूर्वदत्त वेतन**	**5,000**
चालू दायित्व			बैंक	5,000
लेनदार		15,000	रोकड़	1,000
बकाया मजदूरी		500	अंतिम स्टॉक	15,000
		56,500		56,500

10.5 उपार्जित आय

ऐसा भी हो सकता है कि आय से सम्बंधित कुछ मदें जैसे- ऋण पर ब्याज, कमीशन, किराया आदि चालू लेखांकन वर्ष के दौरान अर्जित की गई हैं परंतु वास्तव में चालू वर्ष के दौरान इनकी प्राप्ति नहीं हुई है। इस प्रकार की आय, *उपार्जित आय* कहलाती है। उपार्जित आय का समायोजन प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

उपार्जित आय खाता	नाम		
संबंधित आय खाते से			

लाभ-हानि खाते में उपार्जित आय की राशि को संबंधित आय में जोड़ा जाएगा और इस प्रकार एक नया खाता *उपार्जित आय,* तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा। उदाहरण के लिए, यह मान लेते हैं कि अंकित ने अपने सहयोगी व्यवसायी की मदद के लिये कुछ अन्य पक्षों को उनसे मिलवाया और इसके बदले में कमीशन प्राप्त किया। अंकित के तलपट में आप यह देखेंगे की एक मद *प्राप्त कमीशन* की राशि 5,000 रुपये है। यह मान लिया जाता है कि 1,500 रुपये कमीशन की राशि अभी भी सहयोगी व्यवसायी से प्राप्त होनी बाकी है। इससे प्रकट होता है कि उपार्जित कमीशन की आय वर्ष 2004-05 के दौरान 6,500 रुपये है (5000 रु. + 1,500 रु.) अंकित को समायोजन प्रविष्टि करने की आवश्यकता है जो कि उपार्जित कमीशन पर यह प्रभाव निम्न प्रकार अभिलेखित करेगी।

उपार्जित कमीशन खाता	नाम	1,500	
कमीशन खाते से			1,500

व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में उपार्जित आय खाते को निम्न प्रकार अभिलेखित किया जायेगा।

© NCERT not to be republished

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक	15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500		
सकल लाभ आ/ला		56,500		
		1,40,000		1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले	56,500
घटाया पूर्ववत वेतन	5,000	20,000	**प्राप्त कमीशन**	**5,000**
भवन का किराया **6,500**		13,000	**जोड़ा उपार्जित कमीशन**	**1,500**
डूबत ऋण		4,500		
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		25,000		
		63,000		63,000

देखने से यह पता चलता है कि उपार्जित आय के कारण निवल लाभ 1,500 रु. से अधिक होते हुए 25,500 हुआ है। इसको अंकित के तुलन पत्र के परिसम्पति पक्ष में चालू परिसम्पति के रूप में निम्न प्रकार दर्शाया जाएगा।

31 मार्च 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर-चालू परिसम्पतियाँ*	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	25,500	37,500	*चालू परिसम्पतियाँ*	
गैर-चालू दायित्व			देनदार	15,500
दीर्घ अवधि के ऋण		5000	पूर्वदत्त वेतन	5,000
चालू दायित्व			**उपार्जित कमीशन**	**1,500**
लेनदार		15000	बैंक	5,000
बकाया मजदूरी		500	रोकड़	1,000
			अंतिम स्टॉक	15,000
		58,000		58,000

© NCERT not to be republished

10.6 अग्रिम प्राप्त आय

कभी-कभी कुछ निश्चित आय प्राप्त होती है लेकिन समस्त राशि चालू अवधि से संबंधित नहीं होती है ऐसी आय का वह भाग जो लेखांकन वर्ष से संबंधित होता है, को अग्रिम प्राप्त आय या अनुमति आय कहते हैं। अग्रिम प्राप्त आय को निम्न समायोजन प्रविष्टि द्वारा अभिलेखित करेंगे।

सम्बंधित आय खाता नाम
अग्रिम प्राप्त आय खाते से

इस प्रविष्टि का प्रभाव यह होगा कि आय खाते के शेष चालू लेखांकन वर्ष में उपार्जित आय की राशि के बराबर होगा और एक नया खाता *अग्रिम प्राप्त आय* को तुलन-पत्र के दायित्व पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा। उदाहरण के लिये, अंकित इस बात से सहमत होता है कि 31 मार्च 2005 से भवन का कुछ भाग सहयोगी दुकानदार को 1,000 रुपये प्रतिमाह की दर से किराये पर दिया जाय। उस व्यक्ति ने आगामी तीन माह (अप्रैल, मई, जून) के किराये का अग्रिम भुगतान किया। प्राप्त राशि को लाभ-हानि खाते में जमा किया गया यद्यपि यह आय चालू वर्ष से संबंधित नहीं है इसलिये लाभ-हानि खाते के *जमा पक्ष* में नहीं दर्शायी जायेगी। यह अग्रिम प्राप्त आय है और 3,000 रुपये की राशि को दायित्व के रूप में जाना जाएगा। अंकित को आवश्यकता है कि वह निम्न समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित करे जो अग्रिम प्राप्त आय पर प्रभाव डाले।

प्राप्त किराया खाता नाम 3,000
अग्रिम प्राप्त किराया खाते से 3,000

इस प्रकार एक जमा खाता ''अग्रिम प्राप्त किराया'' 3,000 रुपये से निम्न प्रकार दर्शाया जायेगा।

31 मार्च, 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*	*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि				
पूँजी	12,000		*गैर-चालू परिसम्पतियाँ*	
जोड़ा निवल लाभ	25,500	37,500	फर्नीचर	15,000
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*	
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार	15,500
चालू दायित्व			पूर्वदत्त वेतन	5,000
लेनदार		15,000	उपार्जित कमीशन	1,500
बकाया मजदूरी		500	बैंक	5,000
अग्रिम प्राप्त किराया		**3,000**	रोकड़	4,000
			अंतिम स्टॉक	15,000
		61,000		61,000

© NCERT not to be republished

10.7 ह्रास

अध्याय 7 से पुन: स्मरण: करें कि ह्रास परिसम्पत्तियों के प्रयोग तथा समय व्यतीत होने आदि के कारण, मूल्य में होनी वाली कमी है। इसका व्यवहार व्यापारिक व्यय के रुप में किया जाएगा और लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष में लिखा जायेगा। इसका प्रभाव यह होगा कि वह परिसम्पत्ति जो व्यापार में लाभ कमाने के उद्देश्य से प्रयोग की जा रही है, उस परिसम्पत्ति लागत की कुछ राशि का भाग अपलिखित किया जाएगा। इस संदर्भ में निम्न प्रविष्टि की जाएगी :

ह्रास खाता	नाम	
संबंधित परिसम्पत्ति खाते से		

तुलन-पत्र में परिसम्पत्ति को उसकी लागत में से ह्रास की राशि को घटा कर दर्शाया जायेगा। उदाहरण के लिये, अंकित के तलपट में दर्शाया गया है कि फर्नीचर खाते का शेष 15,000 रुपये है। यह मान लेते हैं कि फर्नीचर पर 10% का ह्रास प्रतिवर्ष लगाया जाायेगा। यह प्रदर्शित करता है कि वर्ष में संबंधित फर्नीचर का मूल्य 1,500 रुपये तक कम होगा (15,000 रु. 10%)। अंकित को फर्नीचर पर ह्रास का प्रभाव दिखाने के लिये निम्न समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित करने की आवश्यकता है:

ह्रास खाता	नाम	1,500	
फर्नीचर खाते से			1,500

ह्रास को लाभ-हानि खाते तथा तुलन-पत्र में निम्न प्रकार दर्शायेंगे:

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये अंकित का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*		*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000				
घटाया पूर्ववत वेतन	(5,000)	20,000	सकल लाभ आ/ले		56,500
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास-फर्नीचर		**1,500**	जोड़ा उपार्जित कमीशन	1,500	6,500
डूबत ऋण		4,500			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		24,000			
		63,000			63,000

© NCERT not to be republished

आपने देखा कि ह्रास के समायोजन के पश्चात् निवल लाभ की राशि में कमी आई है। अब हम देखेंगे कि ह्रास को प्रभार के रूप में तुलन–पत्र में किस प्रकार दर्शाया जायेगा:

31 मार्च 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि			गैर–चालू परिसम्पतियाँ		
पूँजी	12,000		**फर्नीचर**	**15,000**	
जोड़ा: निवल लाभ	24,000	36,000	***घटाया: ह्रास***	**(1,500)**	**13,500**
गैर–चालू दायित्व					
चालू दायित्व					
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार		15,500
चालू दायित्व			पूर्वदत्त वेतन		5,000
लेनदार		15,000	उपार्जित कमीशन		1,500
बकाया मजदूरी		500	बैंक		5,000
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		59,500			59,500

10.8 डूबत ऋण

डूबत ऋण से आशय ऐसी राशि से है जो कि एक फर्म अपने देनदारों से वसूल करने में असमर्थ है। चूंकि यह हानि से संबंधित है अत: इसे *डूबत ऋण* कहा जाता है। डूबत ऋण को अभिलेखित करने की प्रविष्टि होगी:

डूबत ऋण खाता	नाम	
देनदार खाते से		

अंकित के तलपट को देखने पर यह ज्ञात होता है कि डूबत ऋण की राशि 4,500 रुपये है। अंकित के विविध देनदारों की राशि 15,500 रुपये है। अंकित के तलपट में डूबत ऋण का दर्शाया जाना यह सूचित करता है कि वर्ष के दौरान अंकित को डूबत ऋण के कारण हानि हुई जो कि लेखा पुस्तकों में पहले से ही अभिलेखित की गई है। यहाँ हम यह मान लेते है कि अंकित का एक देनदार जिसने 2,500 रुपये प्राप्त होने थे, दिवालिया हो गया और उससे कुछ भी प्राप्त नहीं हो सका। परन्तु डूबत ऋण की राशि चालू वर्ष से संबंधित खातों में अभी भी प्राप्य है। यह तथ्य अतिरिक्त सूचनाओं में दर्शाया जाएगा साथ ही ये *अतिरिक्त डूबत ऋण* कहलायेगा। इस राशि से संबंधित समायोजन प्रविष्टि निम्न प्रकार से की जायेगी। इसके लिये अंकित के द्वारा निम्न समायोजन प्रविष्टि के अभिलेखन की आवश्यकता है:

डूबत ऋण खाता	नाम	2,500	
देनदार खाते से			2,500

इस प्रविष्टि के द्वारा देनदार कम होकर 13,000 रुपये (15,500 रु. – 2,500 रु.) हो जायेंगे और डूबत ऋण की राशि बढ़कर 7,000 रुपये होगी (4,500 रु. + 2,500 रु.)

अतिरिक्त *डूबत ऋण* का व्यापारिक लाभ व हानि खाते तथा तुलन-पत्र में नीचे दर्शाया गया है–

31 मार्च, 2005 को को समाप्त वर्ष के लिये अंकित का व्यापारिक तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*		*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000				
घटाया पूर्वदत्त वेतन	(5,000)	20,000	सकल लाभ आ/ले		56,500
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास-फर्नीचर		1,500	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	1,500	6,500
डूबत ऋण	**4,500**				
जोड़ा अन्य डूबत ऋण	**2,500**	**7,000**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		21,500			
		63,000			63,000

31 मार्च, 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ा: निवल लाभ	21,500	33,500	*घटाया:* ह्रास	1,500	13,500
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	**देनदार**	**15,500**	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			***घटाया:* अतिरिक्त**	**(2,500)**	
			डूबत ऋण		**13,000**
लेनदार		15,000	पूर्वदत्त वेतन		5,000
बकाया मजदूरी		500	उपार्जित कमीशन		1,500
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	बैंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		57,000			57,000

© NCERT not to be republished

10.9 संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान

उपरोक्त तुलन–पत्र में देनदार अब 13,000 रुपये दिखाये गये हैं जो कि आगामी वर्ष के दौरान अनुमानित प्राप्त मूल्य है। यह संभव है कि भविष्य में समस्त राशि प्राप्त न हो। यद्यपि यह भी संभव नहीं है कि इस प्रकार के डूबत ऋण की सही राशि ज्ञात हो। इसलिए हम इस प्रकार की हानियों का उचित अनुमान लगा लेते हैं। इस प्रकार का प्रावधान *संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान* कहलाता है और इसे लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष की और दर्शाकर बनायेंगे। इस संबंध में निम्न प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी।

लाभ हानि खाता नाम
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान खाते से

तुलन–पत्र के परिसम्पति पक्ष में संदिग्ध *ऋणों के लिये प्रावधान* को देनदारों में से घटाकार दिखाया जाएगा। अब हम यह मानते है कि अंकित यह महसूस करता है कि आगामी वर्ष 31 मार्च, 2005 को उसके 5% देनदार अपना भुगतान नहीं कर पायेंगे। इससे यह प्रदर्शित होता है कि डूबत ऋण की राशि 650 रूपये होगी (13,000 रु. 5%)। इस संदर्भ में अंकित को निम्न समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित करने की आवश्यकता है।

लाभ–हानि खाता	नाम	650	
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान खाते से			650

इससे यह आश्य है कि चालू वर्ष में संदिग्ध ऋणों के कारण लाभ 650 रुपये से कम होगा।

तुलन–पत्र में इसको विविध देनदारों में से घटाकर दिखाया जायेगा।

वर्षान्त 31 मार्च, 2005 के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिलाभ*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		125,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा: बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले		56,500
घटाया: पूर्वदत्त वेतन	(5,000)	20,000			
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास–फर्नीचर		1,500	*जोड़ा:* उपार्जित कमीशन	(1,500)	6,500
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा: अन्य डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान		**650**			
निवल लाभ (अंकित के पुँजी खाते में हास्तांतरित)		20,850			
		63,000			63,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व पूँजी			*गैर चालू परिसंपत्तियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	13,500
जोड़ा निवल लाभ	20,850	32,850	*घटाया* ह्रास	1,500	
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	**देनदार**	**15,500**	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			***घटाया* अन्य डूबत ऋण**	**(2,500)**	
				13,000	
लेनदार		15,000	***घटाया* संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान**	**(650)**	**12,350**
बकाया मजदूरी		500	पूर्वदत्त वेतन		5,000
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	उपार्जित कमीशन		1,500
			बैंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		56,350			56,350

ऐसा भी देखा गया है कि किसी विशेष वर्ष के अंत में संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान आगामी वर्ष में हस्तांतरित कर दिया जाता है और इसे आगामी वर्ष में डूबत ऋण से होने वाली हानि को पूरा करने के लिये प्रयोग में लाया जाता है। गत वर्ष के संदिग्ध ऋणों के प्रावधान को *आरंभिक प्रावधान* या *पुराना प्रावधान* कहा जायेगा। जब कभी कोई प्रावधान पहले से ही दिया होता है तो वह हानि जो चालू वर्ष में डूबत ऋण के कारण हुई है को उतनी राशि से ही समायोजित किया जायेगा और तब चालू वर्ष में आवश्यक संदिग्ध ऋण की राशि के प्रावधान को नया प्रावधान कहेंगे। तलपट में दिये गये पुराने प्रावधान के शेष को भी खातों में लिया जायेगा। अब हम एक उदाहरण लेते हैं जिसमें डूबत ऋण और संदिग्ध ऋण के प्रावधान के अभिलेखन को समझ सकेंगे।

31 मार्च, 2005 को तलपट से ली गई सूचनायें नीचे दी गई है:

विविध देनदार	32,000
डूबत ऋण	2,000
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	3,500

अतिरिक्त सूचनायें

अतिरिक्त डूबत ऋण में 1,000 रुपये अपलिखित कीजिये तथा संदिग्ध ऋण के लिये देनदारों पर 5% का प्रावधान करें। इस स्थिति में निम्न रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी:

© NCERT not to be republished

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	डूबत ऋण खाता नाम विविध देनदार खाते से (अतिरिक्त डूबत ऋण)		1,000	1,000
	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान खाता नाम डूबत ऋण खाते से (डूबत ऋण का समायोजन प्रावधान में किया)		3,000	3,000
	लाभ व हानि खाता नाम संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान खाते से (राशि लाभ-हानि खाते में से ली गई)		1,050	1,050

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

		राशि(रु.)		*राशि(रु.)*
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	2,000			
जोड़ा डूबत ऋण	1,000			
जोड़ा अन्य डूबत ऋण	1,550			
	4,550			
घटाया पुराना प्रावधान	3,500	1,050		

* केवल संबंधित मदें

31 मार्च 2005 को तुलन-पत्र

		विविध देनदार	32,000	
		घटाया अतिरिक्त डूबत ऋण	(1,000)	
			31,000	
		घटाया संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	1,550	
				29,450

* केवल संबधित मदें :

टिप्पणी: संदिग्ध ऋणों के लिये नये प्रावधान की राशि की गणना निम्न प्रकार की जायेगी:

31,000 रु. $\frac{5}{100}$ = 1,550 रु.

© NCERT not to be republished

10.10 देनदारों पर बट्टे का प्रावधान

एक व्यापारिक संस्थान आपने देनदारों को तुरन्त भुगतान हेतु प्रेरित करने के लिये बट्टा देती है। लेखांकन वर्ष में ग्राहक को दिये गए बट्टे की राशि का अनुमान, देनदारों पर बट्टे का प्रावधान बना कर लगाया जायेगा। बट्टे का प्रावधान अच्छे देनदारों पर बनाया जाता है जो कि अन्य डूबत ऋण तथा संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान की राशि को घटाकर प्राप्त होते हैं। देनदारों को बट्टे पर प्रावधान बनाने के लिये निम्न रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी:

लाभ-हानि खाता नाम
देनदारों पर बट्टे का प्रावधान खाते से

जैसा की ऊपर बताया गया है देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान केवल अच्छे देनदारों पर बनाया जाता है। इसकी गणना देनदारों की राशि में से संदिग्ध ऋणों को घटाने के पश्चात् होगी जो कि 12,350 रुपये है (13,500 रु. – 650 रु.)। अंकित को निम्न समायोजन प्रविष्टि के अभिलेखन की आवश्यकता है :

लाभ-हानि खाता नाम 227
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान खाते से 227

यह चालू वर्ष के निवल लाभ को तुरन्त भुगतान प्राप्त होने पर दिये बट्टे के कारण 227 रुपये से कम कर देगा। इसको तुलन-पत्र में देनदार खाते में से घटाकर देनदारों का अनुमानित प्राप्य मूल्य 12,123 रुपये दिखाया जायेगा।

वर्षान्त 31 मार्च के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	बिक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000				
घटाया पूर्वदत्त वेतन	(5000)	20,000	सकल लाभ आ/ले		56,500
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास-फर्नीचर		1,500	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	1,500	6,500
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान		650			
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान		**227**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		**20,623**			
		63,000			63,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ा: निवल लाभ	20,623	32,623	*घटाया:* ह्रास	(1,500)	13,500
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	**देनदार**	**15,500**	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			***घटाया:* अतिरिक्त**	**(2,500)**	
लेनदार		15,000	**डूबत ऋण**		
बकाया मजदूरी		500		**13,000**	
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	***घटाया:* संदिग्ध**	**650**	
			ऋण के लिए प्रावधान	**12,350**	
			घटाया: देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान	(227)	**12,123**
			पूर्वदत्त वेतन		5,000
			उपार्जित कमीशन		1,500
			बैंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		56,123			56,123

आगामी वर्ष में बट्टे की राशि को देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान खाते में हस्तांतरित किया जायेगा। इस खाते का व्यवहार संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान खाते की तरह ही होगा।

10.11 प्रबंधक कमीशन

कभी-कभी व्यापार के प्रबंधक को कंपनी के निवल लाभ में से कमीशन दिया जाता है। लाभ पर कमीशन के प्रतिशत की गणना या तो लाभ पर प्रभार के रूप में पहले या प्रभार के बाद कमीशन पर की जा सकती है। किसी भी सूचना के आभाव में यह मान लेते हैं कि कमीशन के प्रतिशत की गणना निवल लाभ कमीशन लगाने से पहले की गई है। मान लीजिये, की व्यवसाय का निवल लाभ 110 रु. है। यदि कमीशन 10% की दर से दिया जाता है तो कमीशन की गणना निम्न प्रकार होगी:

110 रुपये 10/100 = 11 रुपये

यदि कमीशन लाभ प्रभार लगाने के पश्चात लाभ का 10% है तब गणना इस प्रकार होगी:

= लाभ से पहले कमीशन कमीशन की दर /(100 + कमीशन)

= 110 10/110 = 10 रुपये

प्रबंधक कमीशन का समायोजन लेखा पुस्तकों में निम्न प्रविष्टि को अभिलेखित करके किया जायेगा।

© NCERT not to be republished

लाभ-हानि खाता नाम

प्रबंधक कमीशन खाते से

उदाहरण को पुनः देखते हुये यह मानते है कि अंकित का प्रबंधक 10% कमीशन का हकदार है। निवल लाभ पर प्रभार के रूप में कमीशन के प्रभाव को नीचे दिये गये लाभ व हानि खाते पर देखें यदि:

(i) निवल लाभ की राशि के कमीशन के प्रभार से पूर्व

(ii) निवल लाभ की राशि कमीशन के प्रभार के पश्चात्

(i) वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये अंकित का व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले		56,500
घटाया पूर्वदत्त वेतन	5,000	20,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
भवन का किराया		13,000	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	(1,500)	6,500
ह्रास-फर्नीचर		1,500			
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		650			
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान		227			
प्रबंधक कमीशन		**2,062**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		**28,561**			
		63,000			63,000

31 मार्च, 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ा निवल लाभ	18,561	30,561	*घटाया ह्रास*	(1,500)	13,500
गैर-चालू दायित्व			चालू परिसम्पतियाँ		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार	15,500	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			*घटाया* अतिरिक्त डूबत ऋण	(2,500)	13,000

© NCERT not to be republished

लेनदार	15,000	*घटाया* संदिग्ध		
बकाया मजदूरी	500	ऋण के लिए प्रावधान		
अग्रिम प्राप्त किराया	3,000	*घटाया* देनदारों पर बट्टे		12,350
प्रबंधक का कमीशन बकाया	**2,062**	के लिये प्रावधान	(227)	12,123
		पूर्वदत्त वेतन		5,000
		उपार्जित कमीशन		1,500
		बेंक		5,000
		रोकड़		4,000
		अंतिम स्टॉक		15,000
	56,123			56,123

(ii) वर्षान्त 31 मार्च 2005 समाप्त वर्ष के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले		56,500
घटाया पूर्वदत्त वेतन	5000	20,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
भवन का किराया		13,000	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	(1,500)	6,500
ह्रास–फर्नीचर		1,500			
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		650			
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान		227			
प्रबंधक कमीशन		**1,875**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		**18,748**			
		63,000			63,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ा निवल लाभ	18,748	30,748	*घटाया ह्रास*	(1,500)	13,500
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार	15,500	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			*घटाया* अतिरिक्त डूबत ऋण	(2,500)	
लेनदार		15,000		13,000	
				(650)	
बकाया मजदूरी		500	*घटाया:* संदिग्ध ऋणों		
			के लिए प्रावधान	12,350	
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	*घटाया* देनदारों पर बट्टे		
प्रबंधक कमीशन बकाया		**1,875**	के लिये प्रावधान	(227)	12,123
			पूर्वदत्त वेतन		5,000
			उपार्जित कमीशन		1,500
			बेंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		56,123			56,123

10.12 पूँजी पर ब्याज

कभी-कभी व्यापार का स्वामी यह जानना चाहता है कि पूँजी पर ब्याज लगाने के पश्चात् व्यवसाय के द्वारा कितना लाभ अर्जित किया गया है। इस स्थिति में ब्याज की गणना लेखांकन वर्ष के आरम्भ में दी गई दर के अनुसार की जायेगी। यदि कोई अतिरिक्त पूँजी वर्ष के दौरान लगाई गई हो तो ब्याज की गणना व्यापार में लगाई गई पूँजी की तिथि से की जायेगी। इस प्रकार के ब्याज का व्यवहार, व्यापार के लिये व्यय के रूप में किया जायेगा तथा लेखा पुस्तकों में अभिलेखन करने के लिये निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जायेगी।

पूँजी पर ब्याज खाता नाम
पूँजी खाते से

अंतिम खातों में इसे व्यय की भांति लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष में तथा तुलन-पत्र में पूँजी में जोड़कर दिखाया जायेगा। यह मान लेते हैं कि अंकित पूँजी पर 5% की दर से ब्याज लगायेंगे। इस प्रकार यह राशि 600 रुपये होगी तथा रोजनामचा प्रविष्टि निम्न प्रकार अभिलेखित की जायेगी।

पूँजी पर ब्याज खाता	नाम	600	
पूँजी खाते से			600

© NCERT not to be republished

इससे आशय कि शुद्ध लाभ में 600 रुपये की घटोत्तरी होगी, जिसके परिणामस्वरूप लाभ का घटा हुआ भाग तुलन-पत्र में पूँजी में जोड़ कर दर्शाया जायेगा। किन्तु, जब पूँजी पर ब्याज की राशि को पूँजी में जोड़ा जाएगा तब यह प्रभाव शून्य होगा, जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

	रुपये
पूँजी	12,000
जोड़ा: लाभ	17,961
	29,961
जोड़ा: पूँजी पर ब्याज	600
	30,561

स्वयं जाँचिये

सही उत्तर चिह्नित कीजिए:

1. राहुल का तलपट आपको निम्न सूचनाएँ उपलब्ध करवाता है

देनदार	80,000 रुपये
डूबत ऋण	2,000 रुपये
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	4,000 रुपये

यह आवश्यक है कि संदिग्ध ऋणों के लिये 1,000 रुपये का प्रावधान हो। लाभ व हानि खाते के नाम/जमा पक्ष में राशि क्या होगी:

(क) 5,000 रुपये (नाम) (ख) 5,000 रुपये (नाम)

(ग) 1,000 रुपये (जमा) (घ) इनमें से कोई नहीं

2. यदि एक महीने का किराया अभी तक बकाया है तो समायोजन प्रविष्टि होगी:

(क) बकाया किराया खाता नाम तथा किराया खाता जमा

(ख) लाभ व हानि खाता नाम तथा किराया खाता जमा

(ग) किराया खाता नाम तथा लाभ व हानि खाता जमा

(घ) किराया खाता नाम तथा बकाया किराया खाता जमा

3. यदि 2,000 रुपये किराया अग्रिम प्राप्ति है तो समायोजन प्रविष्टि होगी:

(क) लाभ-हानि खाता नाम तथा किराया खाता जमा

(ख) अग्रिम किराया खाता नाम तथा लाभ-हानि खाता जमा

(ग) किराया खाता नाम तथा बकाया किराया खाता जमा

(घ) इनमें से कोई नहीं

4. यदि 1 अप्रैल 2005 को आरंभिक पूँजी 50,000 रुपये है तथा 1 जनवरी 2006 को 10,000 रुपये की अतिरिक्त पूँजी लगाई गई। पूँजी पर ब्याज 10% प्रतिवर्ष की दर से लगाया जाता है तो 31 मार्च 2005 को लाभ व हानि खाते में पूँजी पर ब्याज की राशि होगी :

© NCERT not to be republished

(क) 5,250 रुपये (ख) 6,000 रुपये

(ग) 4,000 रुपये (घ) 3,000 रुपये

5. यदि बीमा प्रीमियम का 1,000 रुपये भुगतान किया गया है तथा पूर्वदत्त बीमा 300 रुपये है तो लाभ व हानि खाते में बीमा प्रीमियम की राशि होगी:

(क) 1,300 रुपये (ख) 1,000 रुपये

(ग) 300 रुपये (घ) 700 रुपये

समायोजन	*समायोजन प्रविष्टि*		*व्यापार तथा लाभ व हानि खाते में व्यवहार*	*तुलन–पत्र में व्यवहार*
1. अंतिम स्टॉक	अंतिम स्टॉक खाता व्यापारिक खाते से	नाम	लाभ व हानि खाते के जमा पक्ष में	परिसम्पत्ति पक्ष में दर्शायेंगे
2. बकाया व्यय	व्यय खाता बकाया व्यय खाते से	नाम	नाम पक्ष में संबंधित व्यय में जोड़ेंगे	दयित्व पक्ष में दर्शायेंगे
3. पूर्वदत्त व्यय	पूर्वदत्त व्यय खाता व्यय खाते से	नाम	नाम पक्ष में संबंधित व्यय में से घटायेंगे	परिसंपत्ति पक्ष में दर्शायेंगे
4. उपार्जित आय	उपार्जित आय खाता आय खाते से	नाम	जमा पक्ष में संबंधित आय में जोड़ेंगे	परिसंपत्ति पक्ष में दर्शायेंगे
5. अग्रिम प्राप्त खाता	आय खाता अग्रिम प्राप्त आय खाते से	नाम	जमा पक्ष में संबंधित आय में से घटायेंगे	दायित्व पक्ष में दर्शायेंगे
6. ह्रास	ह्रास खाता परिसम्पत्ति खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	परिसंपत्ति के मूल्य मे से घटाकर दर्शायेंगे
7. संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	लाभ व हानि खाता संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान खातों से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	देनदारों में से घटाकर दार्शायेंगे
8. देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान	लाभ व हानि खाता देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	देनदारों में से घटाकर दर्शायेंगे
9. प्रबंधक कमीशन	प्रबंधक कमीशन खाता बकाया कमीशन खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	दायित्व पक्ष में दर्शायेंगे
10. पूँजी पर ब्याज	पूँजी पर ब्याज खाता पूँजी खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	पूँजी में जोड़कर दर्शायेंगे
11. अतिरिक्त डूबत ऋण	डूबत ऋण खाता विविध देनदार खाता	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	देनदारों में से घटायेंगे

चित्र 10.2: *विभिन्न प्रकार के समायोजनों का उपचार दर्शाया गया है*

© NCERT not to be republished

उदाहरण 1

निम्न सूचनाओं से 31 मार्च 2005 को व्यपार, लाभ व हानि खाता और तुलन–पत्र बनायें:

नाम शेष	*राशि (रु.)*	*जमा शेष*	*राशि (रु.)*
आहरण	6,300	पूँजी	1,50,000
बैंक में रोकड़	13,870	बट्टा प्राप्त	2,980
प्राप्य विषय	1,860	ऋण	15,000
भूमि व भवन	42,580	क्रय वापसी	1,450
फर्नीचर	5,130	विक्रय	2,81,500
बट्टा प्रदत्त	3,960	संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	4,650
बैंक शुल्क	100	लेनदार	18,670
वेतन	6,420		
क्रय	1,99,080		
स्टॉक (आरंभिक)	60,220		
विक्रय वापसी	1,870		
भाड़ा	5,170		
किराया व कर	7,680		
सामान्य व्यय	3,630		
सयन्त्र व मशीन	31,640		
देनदार	82,740		
डूबत ऋण	1,250		
बीमा	750		
	4,74,250		4,74,250

समायोजन:

1) अंतिम स्टॉक 70,000 रुपये।
2) देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिये 10% प्रावधान बनायें।
3) पूर्वदत्त बीमा 50 रुपये।
4) बकाया किराया 150 रुपये।
5) ऋण पर देय ब्याज 6% की दर से।

© NCERT not to be republished

हल

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
अरंभिक स्टॉक		60,220	विक्रय	2,81,500	
क्रय	1,99,080		*घटाया:* विक्रय वापसी	1,870	2,79,630
घटाया: क्रय वापसी	(1,450)	1,97,630	अंतिम स्टॉक		70,000
भाड़ा		5,170			
सकल लाभ आ/ला		86,610			
		3.49.630			3.49.630
बट्टा प्रदत्त		3,960	सकल लाभ आ/ले		86,610
बैंक शुल्क		100	प्राप्त बट्टा		2,980
वेतन		6,420			
किराया व कर	7,680				
जोड़ा बकाया किराया	150	7,830			
सामान्य व्यय		3.630			
बीमा	750				
घटाया पूर्वदत्त बीमा	(50)	700			
डूबत ऋण	1,250				
जोड़ा संदिग्ध ऋण के	8,274				
लिए नया प्रावधान	9,524				
घटाया: संदिग्ध ऋणों	(4,650)	4,874			
के लिये पूर्व प्रावधान					
ऋण पर बकाया ब्याज		9,00			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		61,176			
		89,490			89,490

31 मार्च, 2005 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
लेनदार		18,670	बैंक में रोकड़		13,870
ऋण	15,000				
जोड़ा ऋण पर बकाया ब्याज	900	15,900	देनदार	82,740	
बकाया किराया		150	*घटाया:* संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	(8,274)	74,466

पूँजी	1,50,000		प्राप्य विपत्र	1,860
जोड़ा: शुद्ध लाभ	61,176		भूमि व भवन	42,580
	2,11,176		फर्नीचर	5,130
घटाया: आहरण	(6,300)	2,04,876	संयन्त्र व मशीनरी	31,640
			बीमा (पूर्वदत्त)	50
			अंतिम स्टॉक	70,000
		2,39,596		2,39,596

उदाहरण 2

निम्न सूचनायें योगिता की पुस्तकों से 31 मार्च 2005 को ली गई हैं:

नाम शेष	*राशि* रु.	*जमा शेष*	*राशि* रु.
हस्तस्थ रोकड़	540	विक्रय	98,780
बैंक में रोकड़	2,630	विक्रय वापसी	500
क्रय	40,675	पूँजी	62,000
क्रय वापसी	680	विविध लेनदार	6,300
मजदूरी	8,480	किराया	9,000
ईंधन व उर्जा	4,730		
विक्रय पर भाड़ा	3200		
क्रय पर भाड़ा	2040		
आरंभिक स्टॉक	5,760		
भवन	32,000		
भूमि	10,000		
मशीनरी	20,000		
वेतन	15,000		
पेटेंट	7,500		
सामान्य व्यय	3,000		
बीमा	600		
आहरण	5,245		
विविध देनदार	14,500		

निम्न समायोजनों को खातों में लेकर, 31 मार्च 2005 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र तैयार करें:

(क) 31 मार्च 2005 को हस्तस्थ स्टॉक 6,800 रुपये।

(ख) मशीनरी पर 10% और पेटेंट पर 20% की दर से ह्रास लगायें।

(ग) मार्च 2005 का वेतन राशि 1,500 रुपये बकाया है।

© NCERT not to be republished

(घ) बीमा व्यय में 170 रुपये की राशि सम्मिलित है जिसकी पालीसी 30 सितंबर 2006, को समाप्त है।

(च) अन्य डूबत ऋण 725 रुपये है। लेनदारों पर 5% जिसकी पालीसी 30 सितंबर, 2006 को समाप्त है।

(छ) अप्राप्य किराया 1,000 रुपये।

हल

योगिता की पुस्तकें
वर्षान्त 31 मार्च 2005 वर्ष के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि* रु.	*आगम/अधिलाभ*		*राशि* रु.
अरंभिक स्टॉक		5,760			
क्रय	40,675		बिक्रय	98,780	
घटाया: क्रय वापसी	(500)	40,175	*घटाया:* विक्रय वापसी	(680)	98,100
मजदूरी		8,480	अंतिम स्टॉक		6,800
ईंधन व ऊर्जा		4,730			
क्रय पर भाड़ा		2,040			
सकल लाभ आ/ला		43,715			
		1,04,900			1,04,900
वेतन	15,000		सकल लाभ आ/ले		43,715
जोड़ा बकाया वेतन	1,500	16,500	किराया	9,000	
विक्रय पर भाड़ा		3,200	*जोड़ा* उपार्जित किराया	1,000	10,000
सामान्य व्यय		3,000			
बीमा	600				
घटाया पूर्वदत्त बीमा	(85)	515			
डूबत ऋण	725				
जोड़ा संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	689	1,414			
ह्रास: मशीनरी	2,000				
पेटेंट	1,500	3,500			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		25,586			
		53,715			53,715

© NCERT not to be republished

31 मार्च 2005 को तुलन-पत्र

नाम **जमा**

दायित्व		*राशि*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि*
		रु.			रु.
विविध लेनदार		6,300	हस्तस्थ रोकड़		540
			बैंक में रोकड़		2,630
बकाया वेतन		1,500	विविध देनदार	14,500	
पूँजी	62,000		*घटाया*: डूबत ऋण	(725)	
जोड़ा: निवल लाभ	25,586			13,775	
	87,586		*घटाया*: संदिग्ध ऋणों		
घटाया: आहरण	(5,245)	82,341	के लिए प्रावधान	(689)	13,086
			पूर्वदत्त बीमा		85
			उपार्जित किराया		1,000
			भूमि		10,000
			भवन		32,000
			मशीनरी	20,000	
			घटाया ह्रास	(2,000)	18,000
			पेटेंट	7,500	
			घटाया ह्रास	(1,500)	6,000
			अंतिम स्टॉक		6,800
		90,141			90,141

उदाहरण 3

निम्न शेष श्री आर लाल की पुस्तकों से 31 मार्च 2005 को लिये गये हैं:

खाता शीर्षक	*राशि*	*खाता शीर्षक*	*राशि*
	रु.		रु.
पूँजी	1,00,000	भवन	25,000
आहरण	17,600	किराया (जमा)	2,100
क्रय	80,000	विक्रय पर रेल भाड़ा	16,940
विक्रय	1,40,370	आंतरिक भाड़ा	2,310
क्रय वापसी	2,820	कार्यालय व्यय	1,340
स्टॉक 01 अप्रैल, 2004	11,460	मुद्रण व लेखन सामग्री	660
डूबत ऋण	1,400	डाक व तार व्यय	820
संदिग्ध ऋणों का प्रावधान 01 अप्रैल, 2004	3,240	विविध देनदार	62,070

© NCERT not to be republished

दर और बीमा	1,300	विविध लेनदार	18,920
बट्टा (जमा)	190	बैंक में रोकड़	12,400
प्राप्य विपत्र	1,240	हस्तस्थ रोकड़	2,210
विक्रय वापसी	4,240	कार्यालय फर्नीचर	3,500
मजदूरी	6,280	वेतन और कमीशन	9,870
		भवन में अतिरिक्त निर्माण	7,000

निम्नलिखित समयोजन को ध्यान में रखते हुये 31 मार्च 2005 को व्यापार और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र बनायें।

(1) पुराने भवन पर 625 रुपये व भवन के अतिरिक्त निर्माण पर 2% और कार्यालय फर्नीचर पर 5% ह्रास लगाये।

(2) अन्य डूबत ऋण 570 रुपये है।

(3) संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान को 6% तक करें।

(4) 31 मार्च 2005 को बकाया वेतन 570 रुपये है।

(5) 31 मार्च 2005 को अप्राप्त किराया 200 रुपये है।

(6) पूँजी पर व्याज 5% लगाये।

(7) पूर्वदत्त बीमा 240 रुपये है।

(8) 31 मार्च 2005 को स्टॉक का मूल्य 14,290 रुपये है।

हल

आर. लाल की पुस्तकें

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि (रु.)*
प्रारंभिक स्टॉक		11,460	विक्रय	1,40,370	
क्रय	80,000		*घटाया:* विक्रय वापसी	(4,240)	1,36,130
घटाया: क्रय वापसी	(2,820)	77,180	अंतिम स्टॉक		14,290
आंतरिक भाड़ा		2,310			
मजदूरी		6,280			
सकल लाभ आ/ला		53,190			
		1,50,420			1,50,420

© NCERT not to be republished

विक्रय पर रेल भाड़ा		16,940	सकल लाभ आ/ले		53,190
कार्यालय व्यय		1,340	किराया	2,100	
डाक व तार व्यय		820	*जोड़ा:* अप्राप्त किराया	200	2,300
मुद्रण व लेखन सामग्री		660	बट्टा		190
वेतन और कमीशन	9,870				
जोड़ा बकाया वेतन	(570)	10,440			
रेट्स व बीमा	1,300				
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	(240)	1,060			
डूबत ऋण	1,400				
जोड़ा: आंतरिक डूबत ऋण	570				
जोड़ा: संदिग्ध ऋणों के	3,690				
लिये नया प्रावधान	5,660				
घटाया: संदिग्ध ऋण के लिये					
पुराना प्रावधान	(3,240)	2,420			
पूँजी पर ब्याज		5,000			
भवन पर ह्रास		625			
अतिरिक्त भवन निर्माण पर ह्रास		140			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		16,060			
		55,680			55,680

31 मार्च 2005 को तुलन-पत्र

दयित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियां*		*राशि (रु.)*
विविध लेनदार		18,920	बैंक में रोकड़		12,400
पूँजी		1,00,000	हस्तस्थ रोकड़		2,210
बकाया वेतन	570		प्राप्य विपत्र		1,240
जोड़ा: निवल लाभ	160,60		देनदार	62,070	
जोड़ा: पूँजी पर ब्याज	5,000		*घटाया:* अतिरिक्त		
	121,060		डूबत ऋण	(570)	
घटाया: आहरण	(17,600)	1,03,460		61,500	
			घटाया: संदिग्ध ऋणों के लिये		
			नया प्रावधान	(3,690)	57,810
			अप्राप्त किराया		200
			पूर्वदत्त बीमा		240

© NCERT not to be republished

		भवन	25,000	
		घटाया: ह्रास	(625)	24,375
		अतिरिक्त भवन निर्माण	7,000	
		घटाया: ह्रास	(140)	6,860
		कार्यालय फर्नीचर	3,500	
		घटाया: ह्रास	(175)	3,375
		अंतिम स्टॉक		14,290
	1,22,950			1,22,950

उदाहरण 4

31 मार्च 2006 को मोहित ट्रेडर्स का व्यापार और लाभ व हानि खाता बनायें तथा इस तिथि को आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि तथा तुलन-पत्र बनायें।

नाम शेष	*राशि* रु.	*जमा शेष*	*राशि* रु.
आरंभिक स्टॉक	24,000	विक्रय	4,00,000
क्रय	1,60,000	क्रय वापसी	2,000
हस्तस्थ रोकड़	16,000	पूँजी	1,50,000
बैंक में रोकड़	32,000	लेनदार	64,000
विक्रय वापसी	4,000	देय विपत्र	20,000
मजदूरी	22,000	प्राप्त कमीशन	4,000
ईंधन व उर्जा	18,000		
अंतरिक ढूलाई भाड़ा	6,000		
बीमा	8,000		
भवन	1,00,000		
सयंन्त्र	80,000		
पेटेंट	30,000		
वेतन	28,000		
फर्नीचर	12,000		
आहरण	18,000		
किराया	2,000		
देनदार	80,000		
	6,40,000		6,40,000

समायोजन:

बकाया वेतन 12,000 रु., बकाया मजदूरी 6,000 रु., उपार्जित कमीशन 2,400 रु. ह्रास भवन पर 5% और सयन्त्र पर 3%, बीमा का पेशगी भुगतान 700 रु., अंतिम स्टॉक 12,000 रु.।

© NCERT not to be republished

मोहित ट्रेडर्स की पुस्तकें
रोजनमचा

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2005					
31 मार्च	वेतन खाता	नाम		12,000	
	मजदूरी खाता	नाम		6,000	
	बकाया वेतन खाते से				12,000
	बकाया मजदूरी खाते से				6,000
	(31 मार्च 2006 को वेतन व मजदूरी की अदत्त राशि)				
31 मार्च	पूर्वदत्त बीमा खाता	नाम		1,400	
	बीमा खाते से				1,400
	(बीमा का पेशगी भुगतान)				
	उपार्जित कमीशन खाता	नाम		2,400	
	कमीशन खाते से				2,400
	(अप्राप्त उपार्जित कमीशन)				
31 मार्च	ह्रास खाता	नाम		7,400	
	भवन खाते से				5,000
	संयन्त्र खाते से				2,400
	(भवन व संयन्त्र पर लगाया गया ह्रास)				
31 मार्च	लाभ व हानि खाता	नाम		1,23,700	
	पूँजी खाते से				12,3700
	(लाभ का पूँजी खाते में हस्तांतरण)				

वर्षान्त 31 मार्च 2006 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		राशि(रु.)	आगम/अधिगम		राशि(रु.)
आरंभिक स्टॉक		24,000	विक्रय	4,00,000	
क्रय	1,60,000		*घटाया:* वापसी	(4,000)	3,96,000
घटाया: क्रय वापसी	(2,000)	1,58,000	अंतिम स्टॉक		12,000
मजदूरी	22,000				
जोड़ा बकाया मजदूरी	6,000	28,000			
इंधन व उर्जा		18,000			
आंतरिक ढुलाई भाड़ा		6,000			
सकल लाभ आ/ला		17,400			
		4,08,000			4,08,000

© NCERT not to be republished

वेतन	28,000		सकल लाभ आ/ले		1,74,000
जोड़ा: बकाया वेतन	<u>12,000</u>	40,000	प्राप्त कमीशन	4,000	
बीमा	8,000		*जोड़ा:* उपार्जित कमीशन	<u>2,400</u>	6,400
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	<u>(700)</u>	7,300			
किराया		2,000			
ह्रास: भवन		5,000			
संयन्त्र		2,400			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		1,23,700			
		1,80,400			1,80,400

31 मार्च 2006 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि(रु.)*
लेनदार		64,000	हस्तस्थ रोकड़	16,000
देय विपत्र		20,000	बैंक में रोकड़	32,000
पूँजी	1,50,000		भवन	95,000
जोड़ा: निवल लाभ	<u>1,23,700</u>		संयन्त्र	77,600
	2,73,700		पेटेन्ट	30,000
घटाया आहरण	<u>(18,000)</u>	2,55,700	देनदार	80,000
बकाया वेतन		12,000	पूर्वदत्त बीमा	700
बकाया मजूदरी		6,000	उपार्जित कमीशन	2,400
			फर्नीचर	12,000
			अंतिम स्टॉक	12,000
		3,57,700		3,57,700

उदाहरण 5

निम्न सूचनायें मै. रणधीर ट्रांसपोर्ट कोरपोरेशन के तलपट से ली गई हैं:

नाम शेष	*राशि* रु.	*जमा शेष*	*राशि* रु.
आरंभिक स्टॉक	40,000	पूँजी	2,70,000
किराया	2,000	लेनदार	50,000
सयन्त्र व मशीनरी	1,20,000	देय विपत्र	50,000
भूमि व भवन	2,55,000	ऋण	1,10,000
क्रय	75,000	बट्टा	1,500
ऊर्जा	3,500	विक्रय	1,50,000
विक्रय वापसी	2,500	संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	1,000

© NCERT not to be republished

तार व डाक	400	समान्य आयोजन	50,000
मजदूरी	4,500		
वेतन	2,500		
बीमा	3,200		
बट्टा	1,000		
मरम्मत व परिस्थापना	2,000		
कानूनी व्यय	700		
व्यापार कर	1,200		
देनदार	75,000		
विनियोग	65,000		
डूबत ऋण	2,000		
व्यापार व्यय	4,500		
कमीशन	1,250		
यात्रा व्यय	1,230		
आहरण	20,020		
	6,82,500		6,82,500

समायोजन:

(1) इस वर्ष का अंतिम स्टॉक 35,500
(2) सयन्त्र व मशीनरी पर 5% और भूमि व भवन पर 6% ह्रास लगायें।
(3) आहरण पर ब्याज 6% तथा ऋण पर ब्याज 5% की दर से लगायें।
(4) विनियोग पर ब्याज 4% की दर से लगायें।
(5) अन्य डूबत ऋण 2,500 तथा देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए 5% का प्रावधान करें।
(6) देनदारों पर बट्टा 2% की दर से लगायें।
(7) बकाया वेतन 200 रुपये
(8) बकाया मजदूरी 100 रुपये
(9) पूर्वदत्त बीमा 500 रुपये

आप 31 मार्च 2005 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

हल

रणधीर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की पुस्तकें
वर्षान्त 31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		40,000	विक्रय	1,50,000	
क्रय		75,000	*घटाया* विक्रय वापसी	(2,500)	1,47,500
मजदूरी		4,500	अंतिम स्टॉक		35,500
जोड़ा बकाया मजदूरी	100	4,600			

© NCERT not to be republished

उर्जा		3,500		
सकल लाभ आ/ला		59,900		
		1,83,000		1,83,000
किराया		2,000	सकल लाभ आ/ले	59,900
तार व डाक		400	विनियोग पर बकाया व्याज	2,600
वेतन	2,500		बट्टा	1,500
जोड़ा: अदत्त वेतन	200	2,700	आहरण पर ब्याज	1,200
बीमा	3,200			
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	(500)	2,700		
बट्टा		1,000		
मरम्मत व प्रतिस्थापन व्यय		2,000		
कानूनी व्यय		700		
व्यापार कर		1,200		
व्यापार व्यय		4,500		
ऋण पर बकाया व्याज		5,500		
कमीशन		1,250		
यात्रा व्यय		1,230		
देनदारों पर वट्टा		1,450		
सयन्त्र व मशीनरी पर ह्रास		6,000		
भूमि व भवन पर ह्रास		15,300		
डूबत ऋण	2,000			
जोड़ा: अन्य डूबत ऋण	2,500			
जोड़ा: नया प्रावधान	3,553			
	8,053			
घटाया: पुराना प्रावधान	(1,000)	7,053		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		10,217		
		65,200		65,200

31 मार्च 2005 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
लेनदार		50,000	देनदार	75,000	
देय विपत्र		50,000	*घटाया:* अन्य डूबत ऋण	(2,500)	
ऋण	1,10,000			72,500	
जोड़ा: बकाया ब्याज	5,500	1,15,500	*घटाया:* बट्टा	(1,450)	
समान्य प्रावधान		50,000		71,050	

© NCERT not to be republished

पूँजी	2,70,000		*घटाया:* नया प्रावधान	(3,553)	67,497
जोड़ा: निवल लाभ	10,217		विनियोग		65,000
	2,80,217		विनियोग पर अप्राप्त ब्याज		2,600
घटाया: आहरण	(20,020)		पूर्वदत्त बीमा		5,00
	2,60,197		सयन्त्र व मशीनरी		1,14,000
घटाया: आहरण पर ब्याज	(1,200)	2,58,997	भूमि व भवन		2,39,700
बकाया वेतन		200	अंतिम स्टॉक		35,500
बकाया मजदूरी		100			
		5,24,797			5,24,797

उदाहरण 6

केशव ब्रदर्स से प्राप्त निम्न शेषों से 31 मार्च 2005 को आप व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
सयन्त्र व मशीनरी	1,30,000	विक्रय	3,00,000
देनदार	50,000	क्रय वापसी	2,500
व्याज	2,000	लेनदार	2,50,000
मजदूरी	1,200	देय विपत्र	70,000
वेतन	2,500	संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	1,550
आंतरिक ढूलाई भाड़ा	500	पूँजी	2,20,000
बाह्य ढूलाई भाड़ा	700	प्राप्त किराया	10,380
विक्रय वापसी	2,000	प्राप्त किराया	16,000
कारखाने का किराया	1,450		
कार्यालय का किराया	2,300		
बीमा	780		
फर्नीचर	22,500		
भवन	2,80,000		
प्राप्य विपत्र	3,000		
हस्तस्थ रोकड़	22,500		
बैंक में रोकड़	35,000		
कमीशन	500		
आरंभिक स्टॉक	60,000		
क्रय	2,50,000		
डूबत ऋण	3,500		
	8,70,430		8,70,430

© NCERT not to be republished

समायोजनः

(i) संदिग्ध ऋणों के लिये 5% की दर से प्रावधान करें, व अन्य डूबत ऋण 2,000 रु.,
(ii) अग्रिम प्राप्त किराया 6,000 रु.
(iii) पूर्वदत्त बीमा 200 रु.।
(iv) फर्नीचर पर 5%, सयन्त्र व मशीनरी पर 6%, भवन पर 7% ह्रास लगायें।

हल

केशव ब्रदर्स की पुस्तकें

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		60,000	विक्रय	3,00,000	
क्रय	2,50,000		*घटाया* विक्रय वापसी	(2,000)	2,98,000
घटाया क्रय वापसी	(2,500)	2,47,500	अंतिम स्टॉक		70,000
मजदूरी		1,200			
आंतरिक ढूलाई भाड़ा		500			
कारखाना किराया		1,450			
सकल लाभ आ/ला		57,350			
		3,68,000			3,68,000
ब्याज		2,000	सकल लाभ आ/ले		57,350
वेतन		2,500	प्राप्त किराया	10,380	
बाह्य ढुलाई भाड़ा		700	*घटाया* अग्रिम प्राप्त	(6,000)	4,380
कार्यालय का किराया	2,300	किराया			
बीमा	780		प्राप्त कमीशन		16,000
घटाया पूर्वदत्त बीमा	(200)	580			
फर्नीचर पर ह्रास		1,125			
सयन्त्र व मशीनरी पर ह्रास		7,800			
भवन पर ह्रास		19,600			
कमीशन		500			
डूबत ऋण	3,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,000				
जोड़ा नया प्रावधान	2,400				
	7,900				
घटाया पुराना प्रावधान	(1,550)	6,350			
निवल लाभ					
(पूँजी खाते में हस्तांतरित)		34,275			
		7,77,730			7,77,730

© NCERT not to be republished

31 मार्च 2005 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि(रु.)*	
लेनदार		2,50,000	हस्तस्थ रोकड़		22,500
देय विपत्र		70,000	बैंक में रोकड़		35,000
अग्रिम प्राप्त किराया		6,000	प्राप्य विपत्र		3,000
पूँजी	2,20,000		पूर्वदत्त बीमा	(50,000)	200
जोड़ा निवल लाभ	34,275	2,54,275	*घटाया:* देनदार अन्य	(2,000)	
			डूबत ऋण	48,000	
			घटाया: नया प्रावधान	(2,400)	45,600
			संयन्त्र व मशीनरी		1,22,200
			फर्नीचर		21,375
			भवन		2,60,400
			अंतिम स्टॉक		70,000
		5,80,275			5,80,275

उदाहरण 7

निम्न सूचनायें फेयर ब्रदर्स लि. के तलपट से ली गई हैं आप 31 मार्च 2006 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें।

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
रोकड़	20,000	विक्रय	3,61,000
मजदूरी	45,050	12 % ऋण (1-7-2005)	40,000
विक्रय वापसी	4,800	प्राप्त बट्टा	1,060
डूबत ऋण	4,620	क्रय वापसी	390
वेतन	16,000		
चुंगी	1,000	लेनदार	60,610
दान	250	पूँजी	75,000
मशीनरी	32,000		
देनदार (अनादृत विपत्र 1,600 रुपये सहित)	60,000		
स्टॉक	81,600		
क्रय	2,60,590		
मरम्मत	3,350		
ऋण पर ब्याज	12,00		
बिक्री कर	1,600		
बीमा	2,000		
किराया	4,000		
	5,38,060		5,38,060

© NCERT not to be republished

समायोजन:

(1) 4,000 रुपये नयी मशीनरी को स्थापना में 1 अप्रैल 2005 को व्यय की गई मजदूरी सम्मिलत है।
(2) फर्नीचर पर 5% ह्रास लगायें।
(3) बकाया वेतन 1,600 रुपये।
(4) अंतिम स्टॉक 81,850 रुपये।
(5) देनदारों पर 5% का प्रावधान करें।
(6) विपत्र का आधी राशि ही प्राप्त हुई है।
(7) किराये का भुगतान 30 जून 2006 तक किया गया है।
(8) असमाप्त बीमा 600 रुपये।

हल

फेयर ब्रदर्स की पुस्तकें

31 मार्च 2006 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		81,600	विक्रय	3,61,000	
क्रय	2,60,590		*घटाया:* विक्रय वापसी	(4,800)	3,56,200
घटाया: क्रय वापसी	(390)	2,60,200	अंतिम स्टॉक		81,850
मजदूरी	45,050				
घटाया: मशीनरी पर					
स्थापना मजदूरी	(4,000)	41,050			
चुंगी		1,000			
सकल लाभ आ/ला		54,200			
		4,38,050			4,38,050
वेतन	16,000		सकल लाभ आ/ले		54,200
जोड़ा: बकाया वेतन	1,600	17,600	प्राप्त बट्टा		1,060
मरम्मत		3,350			
डूबत ऋण	4,620				
जोड़ा: अतिरिक्त डूबत ऋण	800				
जोड़ा: नया प्रावधान	2,960	8,380			
ऋण पर ब्याज	1,200				
जोड़ा: बकाया ब्याज	2,400	3,600			
बिक्री कर	1,600				

© NCERT not to be republished

बीमा	2,000			
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	(600)	1,400		
दान	250			
किराया	4,000			
घटाया: पूर्वदत्त किराया	(1,000)	3,000		
मशीनरी पर ह्रास		1,800		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		14,280		
		55,260		55,260

31 मार्च 2005 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
लेनदार		60,610	रोकड़		20,000
बकाया वेतन		1,600	देनदार	60,000	
ऋण		40,000	*घटाया:* डूबत ऋण	(800)	
बकाया ब्याज		2,400		59,200	
			घटाया: प्रावधान	(2,960)	
पूँजी	75,000				56,240
जोड़ा निवल लाभ	14,280	89,280	पूर्वदत्त किराया		1,000
			असमाप्त बीमा		600
			मशीनरी	32,000	
			जोड़ा: स्थापना मजदूरी	4,000	
				36,000	
			घटाया: ह्रास	(1,800)	34,200
			अंतिम स्टॉक		81,850
		1,93.890			1,93.890

उदाहरण 8

निम्न शेष हरीहरन बद्रर्स की पुस्तकों से लिये गये हैं, आप 31 दिसंबर 2005 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र तैयार करें।

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	16,000	पूँजी	1,00,000
क्रय	40,000	विक्रय	1,60,000
विक्रय वापसी	3,000	क्रय वापसी	800

© NCERT not to be republished

आंतरिक ढुलाई भाड़ा	2,400	परिच्क्षु प्रीमियम	3,000
बाह्य ढुलाई भाड़ा	5,000	देय विपत्र	5,000
मजदूरी	6,600	लेनदार	31,600
वेतन	11,000		
किराया	2,200		
भाड़ा व गोदी व्यय	4,800		
अग्नि बीमा किस्त	1,800		
डूबत ऋण	4,200		
बट्टा	1,000		
छपाई व लेखन सामग्री	500		
दर व कर	700		
यात्रा व्यय	300		
व्यापार व्यय	400		
व्यापारिक परिसर	1,10,000		
फर्नीचर	5,000		
प्राप्य विपत्र	7,000		
देनदार	40,000		
मशीन	9,000		
ऋण	10,000		
विनियोग	6,000		
हस्तस्थ रोकड़	500		
बैंक में रोकड़	7,000		
स्वामी आहरण	6,000		
	3,00,400		3,00,400

समायोजन:

1. अंतिम स्टॉक 14,000 रुपये।
2. बकाया मजदूरी 600 रु., बकाया वेतन 1,200 रुपये, बकाया किराया रुपये 200 रूपये।
3. अग्नि बीमा प्रिमियम की राशि में 1,200 रुपये सम्मिलित है जिसका भुगतान 01 जुलाई 2005 को एक वर्ष के लिये किया जो कि 01 जुलाई से 30 जुन 2005 तक है।
4. परिच्क्षु प्रिमियम की राशि 1 जनवरी 2005 को 3 वर्ष के लिये अग्रिम प्राप्त की गई।
5. लेखन सामग्री का बिल 60 रुपये बकाया है।
6. परिसर पर 5% फर्नीचर पर 10%, मशीनरी पर 10% की दर से ह्रास लगायें।
7. दिये गये ऋण पर एक वर्ष का 7% ब्याज अप्राप्य है।
8. विनियोग पर व्याज 5% की दर से 6 महीने का दिसंबर तक अप्राप्त है।

© NCERT not to be republished

9. पूँजी पर व्याज 5% रु. की दर से एक वर्ष का दिया जायेगा।
10. वर्ष में किये गये आहरण पर ब्याज का निर्धारण 160 रु. किया गया।

हल

हरिहरन ब्रदर्स की पुस्तकें
31 दिसंबर 2005 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापार तथा लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		16,000	विक्रय	1,60,000	
क्रय	40,000		*घटाया:* विक्रय वापसी	(3,000)	1,57,000
घटाया: क्रय वापसी	(800)	39,200	अंतिम स्टॉक		14,000
मजदूरी	6,600				
जोड़ा: बकाया मजदूरी	600	7,200			
आंतरिक ढुलाई भाड़ा		2,400			
भाड़ा व गोदी व्यय		4,800			
सकल लाभ आ/ले		101,400			
		1,71,000			1,71,000
वेतन	11,000		सकल लाभ आ/ला		1,01,400
जोड़ा: बकाया वेतन	1,000	12,000	परिच्क्षु प्रिमियम	3,000	
बाह्य ढुलाई भाड़ा		5,000	*घटाया:* अग्रिम प्रिमियम	(2,000)	1,000
दर व कर		700	ऋण पर अप्राप्त व्याज		700
छपाई व लेखन सामग्री	500		आहरण पर ब्याज		160
जोड़ा: बकाया बिल	60	560	विनियोग पर अप्राप्त व्याज		150
व्यापार व्यय		400			
यात्रा व्यय		300			
अग्नि बीमा	1,800				
घटाया: अग्रिम बीमा	(600)	1,200			
डूबत ऋण	4,200				
किराया	2,200				
जोड़ा: बकाया किराया	200	2,400			
पूँजी पर व्याज		5,000			
परिसर पर ह्रास		5,500			
फर्नीचर पर ह्रास		500			
मशीनरी पर ह्रास		900			
बट्टा		1,000			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		63,750			
		1,03,410			1,03,410

© NCERT not to be republished

31 मार्च 2005 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
पूँजी	1,00,000		परिसर	1,10,000	
जोड़ा: पूँजी पर ब्याज	5,000		*घटाया:* ह्रास	(5,500)	1,04,500
जोड़ा: निवल लाभ	63,750		फर्नीचर		4,500
	1,68,750		मशीनरी		8,100
घटाया: आहरण	(6,000)		देनदार		40,000
	1,62,750		प्राप्य विपत्र		7,000
घटाया: आहरण पर ब्याज	(160)	1,62,590	हस्तस्थ रोकड़		500
लेनदार		31,600	बैंक में रोकड़		7,000
देय विपत्र		5,000	ऋण	10,000	
बकाया मजदूरी		600	*जोड़ा:* अप्राप्त ब्याज	700	10,700
बकाया वेतन		1,000	विनियोग	6,000	
बकाया किराया		200	*जोड़ा:* अप्राप्त ब्याज	150	6,150
बकाया लेखन सामग्री बिल		60	अग्रिम बीमा		600
प्ररिच्क्षु प्रिमियम (अग्रिम)		2,000	अंतिम स्टॉक		14,000
		2,03,050			2,03,050

उदाहरण 9

निम्न शेष कोलकाता लिमिटेड के तलपट से लिये गये हैं आप 31 मार्च 2006 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनायें। इस तिथि को तुलन-पत्र भी तैयार करें।

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	6,000	पूँजी	20,000
फर्नीचर	1,200	विक्रय	41,300
आहरण	2,800	क्रय वापसी	4,000
हस्तस्थ रोकड़	3,000	बैंक अधिविकर्ष	4.000
क्रय वापसी	24,000	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	400
विक्रय वापसी	2,000	लेनदार	5,000
स्थापना व्यय	4,400	कमीशन	100
डूबत ऋण	1,000	देय विपत्र	5,100
देनदार	10,000	प्ररिच्क्षु प्रीमियम	500
ढुलाई	1,000		
प्राप्य विपत्र	6,000		
बैंक जमा	8,000		

© NCERT not to be republished

मजदूरी	1,000		
व्यापार व्यय	500		
बैंक शुल्क	400		
साधारण व्यय	1,000		
वेतन	2,000		
बीमा	1,500		
डाक व तार	500		
किराया, दर व कर	2,000		
कोल, गैस व पानी	2,000		
	80,300		80,300

समायोजनः

1. बकाया वेतन 100 रुपये, किराया व कर 200 रुपये, मजदूरी 100 रुपये ।
2. असमाप्त बीमा 500 रुपये।
3. अग्रिम प्राप्त कमीशन 50 रुपये।
4. बैंक जमा पर 500 रुपये ब्याज प्राप्त हुआ।
5. बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज 750 रुपये।
6. फर्नीचर पर ह्रास 10% की दर से लगायें।
7. अंतिम स्टॉक 9,000 रुपये है।
8. अन्य डूबत ऋण 200 रुपये, देनदारों पर 5% की दर से नया प्रावधान करें।
9. प्ररिच्छु प्रिमियम 100 रुपये अग्रिम प्राप्त हुआ।
10. आहरण पर ब्याज 6% की दर से लगायें।

हल

कोलकाता लिमिटेड की पुस्तकें
वर्षान्त 31 मार्च 2006 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		6,000	विक्रय	41,300	
क्रय	24,000		*घटाया:* विक्रय वापसी	(2,000)	39,300
घटाया: क्रय वापसी	(4,000)	20,000	अंतिम स्टॉक		9,000
मजदूरी	1,000				
जोड़ा: बकाया मजदूरी	100	1,100			
कोयला, गैस व पानी		2,000			
सकल लाभ आ/ले		19,200			
		48,300			48,300

© NCERT not to be republished

स्थापना व्यय		4,400	सकल लाभ आ/ला		19,200
ढुलाई		1,000	कमीशन	100	
व्यापार व्यय		500	घटाया अग्रिम कमीशन	(50)	50
बैंक शुल्क		400	अप्राप्त व्याज		500
साधारण व्यय		1,000	प्ररिच्क्षु प्रिमियम	500	
वेतन	2,000		घटाया अग्रिम प्राप्त	(100)	400
जोड़ा बकाया वेतन	100	2,100	आहरण पर ब्याज		168
बीमा	1,500				
घटाया अग्रिम बीमा	(500)	1,000			
डाक व तार		500			
किराया दर व कर		2,200			
बैंक अधिविकर्ष पर व्याज		750			
डूबत ऋण	1,000				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	200				
जोड़ा नया प्रावधान	490				
	1,690				
घटाया: पुराना प्रावधान	(400)	1,290			
फर्नीचर पर ह्रास		120			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		5,058			
		20,318			20,318

31 मार्च 2006 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
पूँजी	20,000		पूर्वदत्त बीमा		500
जोड़ा निवल लाभ	5,058		बैंक जमा	8,500	
	25,058		*जोड़ा* अप्राप्त व्याज	500	8,500
घटाया आहरण	(2,800)				
	22,258				
घटाया आहरण पर ब्याज	(168)	220,90	फर्नीचर		1,080
लेनदार		5,000	हस्तस्थ रोकड़		3,000
अग्रिम प्राप्त कमीशन		50	देनदार	10,000	
प्ररिच्क्षु प्रिमियम		100	*घटाया* अन्य डूबत ऋण	(200)	
बकाया मजदूरी		100		9,800	

© NCERT not to be republished

बकाया वेतन		100	*घटाया:* संदिग्ध ऋण के		
बकाया किराया व कर		200	लिये प्रावधान	490	9,310
बैंक अधिविकर्ष	4,000		प्राप्य विपत्र		6,000
जोड़ा: बकाया ब्याज	750	4,750	अंतिम स्टॉक		9,000
देय विपत्र		5,000			
		37,390			37,390

उदाहरण 10

नीचे दिये गये तलपट से रॉनी प्लास्टिक लिमिटेड का 31 मार्च 2006 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र बनायें।

नाम शेष	*राशि (रु.)*	*जमा शेष*	*राशि (रु.)*
आहरण	6,000	लेनदार	16,802
विविध देनदार	38,200	पूँजी	60,000
बाह्य ढुलाई भाड़ा	2,808	बंधक ऋण	17,000
स्थापना व्यय	16,194	संदिग्ध ऋण प्रावधान	1,420
ऋण पर ब्याज	400	विक्रय	2,22,486
हस्तस्थ रोकड़	6,100	क्रय वापसी	2,692
स्टॉक	11,678	बट्टा	880
मोटर कार	18,000	देय विपत्र	5,428
बैंक में रोकड़	9,110	प्राप्त किराया	500
भूमि व भवन	24,000		
डूबत ऋण	1,250		
क्रय	1,34,916		
विक्रय वापसी	15,642		
विज्ञापन	4,528		
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	7,858		
दर, कर, बीमा	7,782		
सामान्य व्यय	8,978		
प्राप्य विपत्र	13,764		
	3,27,208		3,27,208

समायोजनः

1. भूमि व भवन पर 5% की दर से, और मोटर कार पर 15% की दर से ह्रास लगायें।
2. 01 अप्रैल 2005 को 5% की दर से ब्याज पर ऋण लिया गया।

© NCERT not to be republished

3. 1,200 रुपये का माल ग्राहक को 1,400 रुपये में 30 मार्च 2006 को विक्रय में प्रलेख किया गया।
4. वेतन के 1,400 रुपये व रेट्स के 800 रुपये अभी देने बाकी हैं।
5. विविध देनदारों पर संदिग्ध ऋण के लिये 5% तक प्रावधान किया गया।
6. अंतिम स्टॉक 13,700 रुपये है।
7. व्यापारी द्वारा 1,000 रुपये का माल निजी उपयोग के लिये लिया गया लेकिन इसकी प्रविष्टि खाता बहियों में नहीं की गई।
8. पूर्वदत्त बीमा 350 रुपये है।
9. प्रबन्धक को कमीशन 5% की दर से निवल लाभ पर कमीशन लगाने के पश्चात दे।

हल

रॉनी प्लास्टिक की पुस्तकें

वर्षान्त 31 मार्च 2005 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम जमा

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		11,678	विक्रय	22,486	
क्रय	1,34,916		*घटाया:* विक्रय वापसी	(15,642)	39,300
घटाया: क्रय वापसी	(2,692)			2,06,844	
	1,32,224				
घटाया: माल (आहरण)	(1,000)	131,224	*घटाया:* माल वापसी उधार	(1400)	2,05,444
आंतरिक ढुलाई भाड़ा		7,858	अंतिम स्टॉक	13,700	
सकल लाभ आ/ला		68.384			
		21,9144			21,9144
बकाया वेतन		1,400	सकल लाभ आ/ले	68,384	
बाह्य ढुलाई भाड़ा		2,808	बट्टा	880	
स्थापना व्यय		16,194	किराया	500	
डूबत ऋण	1,250				
जोड़ा: नया प्रावधान	1,840				
	3,090				
घटाया: पूर्व प्रावधान	(1,420)	1,670			
रेट्स व कर	7,782				
घटाया: पूर्वदत्त	(350)				
	7,432				
जोड़ा: बकाया	800	8,232			
विज्ञापन		4,528			
ऋण पर व्याज (400 रु. + 450 रु.)		850			
समान्य व्यय		8,978			

© NCERT not to be republished

ह्रास:				
भूमि व भवन	1,200			
जोड़ा: नया प्रावधान	2,700	3,900		
प्रबन्धक कमीशन		1,010		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		20,194		
		69,764		69,764

31 मार्च 2006 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
पूँजी	60,000		हस्तस्थ रोकड़		6,100
जोड़ा: निवल लाभ	20,194		बैंक में रोकड़		9,110
	80,194				
घटाया: आहरण	(6,000)		प्राप्य विपत्र		13,764
	74,194		देनदार	38,200	
घटाया: माल आहरण	(1,000)	73,194	*घटाया:* विक्रय वापसी	(1,400)	
ऋण	17,000		आधार	36,800	
जोड़ा: ब्याज	450	17,450	*घटाया:* नया प्रावधान	(1,840)	34,960
देय विपत्र		5,428	भूमि व भवन	24,000	
लेनदार		16,802	*घटाया:* ह्रास	(1,200)	22,800
बकाया वेतन		1,400	मोटर कार	18,000	9,310
बकाया दर व कर		800	*घटाया:* ह्रास	(2,700)	15,300
प्रबंधक कमीशन		1,010	पूर्वदत्त बीमा		350
			अंतिम स्टॉक		13,700
		1,16,084			1,16,084

10.13 वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत करने की विधियाँ

वित्तीय विवरण, व्यापार और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र दो प्रकार से प्रस्तुत किया जा सकता है:

(1) क्षैतिज प्रारूप

(2) शीर्ष प्रारूप

क्षैतिज प्रारूप के प्रस्तुतिकरण के दौरान मदों को एक के बाद एक व्यापारिक और लाभ व हानि खाते एवं तुलन-पत्र में जैसा कि अब तक दर्शाते आये है, दर्शाएंगे। यह प्रारूप तकनीकी प्रकृति का है तथा साथ ही अनेक प्रयोगकर्ताओं के लिए आसानी से समझने योग्य नहीं है। इसलिए आजकल अधिकतर फर्में इसका

© NCERT not to be republished

सरल और अधिक अमूर्त प्रारूप में प्रस्तुतीकरण करती है जिसे वर्णात्मक या शीर्ष प्रस्तुतीकरण कहते हैं। शीर्ष प्रारूप प्रस्तुतीकरण में अंतिम खातों को विवरण प्रारूप के अनुसार बनाया जाता है साथ ही विभिन्न मदों को उद्देश्य क्रम में नीचे दर्शाया जाता है शीर्ष प्रस्तुतीकरण ये व्यापार और लाभ व हानि खाते को प्रदर्श 10.3 के अनुसार दर्शाया जायेगा।

................समाप्त होने वाली अवधि का आय विवरण

विवरण	*राशि(रु.)*	*राशि(रु.)*
विक्रय (सकल)		......
घटाया: वापसी	......	......
निवल विक्रय		
बेचे गये माल की लागत		
आरंभिक स्टॉक		
क्रय		
घटाया वापसी		
आंतरिक ढूलाई		
मजदूरी		
बेचे के लिये उपलब्ध माल की लागत		
घटाया: अंतिम स्टॉक		
सकल लाभ		
परिचालन लाभ		
(क) *विक्रय व्यय*		
विज्ञापन		
बट्टा		
छूट		
डूबत ऋण और प्रावधान		
बाह्य ढुलाई भाड़ा		
कुल विक्रय व्यय		
(ख) *समान्य व प्रशासनिक व्यय*		
वेतन		
किराया व दरें		
बीमा		
ह्रास		
डाक		
मरम्मत		
समान्य व्यय		

© NCERT not to be republished

कुल परिचालन व्यय		
परिचालन से निवल आय (परिचालन लाभ)		
अन्य आय (गैर परिचालन से अधिलाभ)		
प्राप्त ब्याज		
प्राप्त कमीशन		
स्थायी परिसम्पत्तियों के विक्रय से लाभ		
घटाया: (गैर परिचालन व्यय)		
ब्याज का भुगतान		
अग्नि से हानि		
निवल गैर – परिचालन अधिलाभ		
निवल आय (निवल लाभ)		

लम्बत प्रस्तुतीकरण में, तुलन-पत्र निम्न प्रकार होगा।

.... को तुलन-पत्र

विवरण	*राशि(रु.)*	*राशि(रु.)*
चालू परिसंपत्तियाँ		
हस्तस्थ रोकड़		
बैंक में रोकड़		
प्राप्य विपत्र		
आप्राप्य आय		
स्टॉक		
पूर्वदत्त व्यय		
कुल चालू परिसंपत्तियाँ		
घटाया: चालू दायित्व		
बैंक अधिविकर्ष		
उपार्जित व्यय		
देय विपत्र		
व्यापारिक लेनदार		
अग्रिम प्राप्त आय		
कुल चालू दायित्व		
निवल कार्यशील पूँजी		
(चालू परिसंपत्तियाँ – चालू दायित्व)		
स्थायी परिसंपत्तियाँ		
फर्नीचर व फीक्सचर		
पेटेंट		
सयन्त्र व मशीनरी		

© NCERT not to be republished

भवन		
भूमि		
ख्याती		
कुल स्थायी परिसंपत्तियाँ		
कुल परिसंपत्तियाँ (चालू दायित्व के भुगतान के बाद)		
विनियोजित पूँजी		
दीर्घ अवधि के दायित्व		
ऋण		
बंधक ऋण		
कुल दीर्घ अवधि के दायित्व		
शुद्ध परिसंपत्तियाँ (कुल परिसंपत्तियाँ व लम्बी अवधि के दायित्वों का अंतर)		
पूँजी (स्वामित्व)		
आरंभिक पूँजी		
जोड़ा: चालू वर्ष के दौरान अतिरिक्त पूँजी		
पूँजी पर ब्याज		
चालू वर्ष का लाभ		
घटाया: वर्ष के दौरान आहरण		
आहरण पर ब्याज		
चालू वर्ष की हानि		
वर्षान्त में स्वमित्व पूँजी		

प्रदर्श 10.3: *वित्तिय विवरणों का लम्बवत प्रारूप (प्रस्तुतीकरण)*

उदाहरण 11

निम्न शेष मै. रोहित ट्रेडर्स की पुस्तकों से लिये गये हैं। वर्ष 31 मार्च 2006 के लिए लम्बवत् लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र बनाएं

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	11,520	पूँजी	1,40,000
क्रय	81,000	क्रय वापसी	400
देनदार	28,000	लेनदार	12,600
बट्टा	2,000	कमीशन	5,000
वाह्य ढुलाई भाड़ा	6,000	विक्रय	1,98,000
आहरण	10,500	दीर्घ अवधि के ऋण	12,000
बीमा	1,200		

© NCERT not to be republished

वेतन	30,000		
विनियोग	20,000		
मोटर कार	15,000		
सयंत्र	40,000		
भूमि व भवन	80,000		
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	4,080		
कानूनी व्यय	3,200		
अंकेक्षण फीस	3,200		
इंधन व उर्जा	9,460		
मजदूरी	10,960		
विक्रय वापसी	1,360		
बैंक में रोकड़	5,200		
हस्तस्थ रोकड़	2,000		
ब्याज	2,000		
डूबत ऋण	1,320		
	3,68,000		3,68,000

समायोजन:

अंतिम स्टॉक 4,000 रुपये

सयन्त्र व भवन पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

हल

रोहित ट्रेडर्स की पुस्तकें
वर्षान्त 31 मार्च 2006 के लिये लाभ व हानि खाता

विवरण		*राशि(रु.)*	*राशि (रु.)*
(क) विक्रय		1,98,000	
घटाया: विक्रय वापसी		(1,360)	1,96,640
(ख) बिक्री किये गये माल की लागत			
आरंभिक स्टॉक		11,520	
क्रय	81,000		
घटाया: क्रय वापसी	(400)	80,600	
आंतरिक ढुलाई भाड़ा		4080	
इंधन व शक्ति		9,460	
मजदूरी		10,960	

© NCERT not to be republished

विक्रय के लिये उपलब्ध माल की लागत	1,16,620	
घटाया: अंतिम स्टॉक	(4000)	1,12,620
(ग) सकल लाभ (क – ख)		**84,020**
(घ) परिचालन व्यय		
(क) प्रशासनिक व्यय		
बीमा	1,200	
वेतन	30,000	
कानूनी व्यय	3,200	
अंकेक्षण फीस	3,200	
ह्रास (4,000 रु. + 8,000 रु.)	12,000	
	49,600	
(ख) विक्रय व वितरण व्यय		
बाह्य ढुलाई भाड़ा	6,000	
बट्टा	(2,000)	
डूबत ऋण	1,320	8,920
कुल परिचालन व्यय (क + ख)		
च) निवल परिचालन लाभ (ग – घ)	25,100	
(छ) अ परिचालन आय		
कमीशन प्राप्त	5,000	
घटाया: ब्याज का भुगतान	(2000)	3,000
(ज) निवल लाभ का पूँजी में हस्तांतरण	28,100	

31 मार्च 2006 को रोहित ट्रैडर्स का तुलन-पत्र

विवरण		*राशि (रु.)*	*राशि (रु.)*
फर्म के कोषों का स्रोत			
क) स्वामित्व कोष			
आरंभिक पूँजी		140,000	
जोड़ा: निवल लाभ		28,100	
घटाया: आहरण		168,920	
(ख) दीर्घ अवधि के ऋण		(10,500)	1,57,600
			12,000
			1,69,600
कोषों को उपयोग			
(i) हस्तस्थ रोकड़	2,000		
बैंक में रोकड़	5,200		

© NCERT not to be republished

अंतिम स्टॉक	4,000		
देनदार	28,000	39,200	
(ii) *घटाया:* लेनदार		12,600	26,600
(क) विनियोग			20,000
(ख) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
मोटर कार	15,000		
सयंन्त्र	36,000		
भूमि व भवन	72,000	1,23,000	
			1,69,600

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

- बकाया/उपार्जित व्यय
- पूर्वदत्त/असमाप्त व्यय
- उपार्जित आय
- अग्रिम प्राप्त आय
- ह्रास
- डूबत ऋण
- संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान
- देनदारों पर बट्टे का प्रावधान
- प्रबंधक का कमीशन
- पूँजी पर ब्याज
- शीर्ष प्रारूप
- लम्बवत् प्रारूप

अधिगम उद्देश्य के संदर्भ में सारांश

1. *समायोजन की आवश्यकता:* वित्तीय विवरणों को बनाने के लिये यह आवश्यक है कि लेखांकन के उपार्जन के सिद्धांत के आधार पर, लेखांकन वर्ष के अन्त में उत्पन्न सभी समायोजनों को कर लिया जाए। अंतिम खाते समायोजन सहित बनाते हुये दूसरी ध्यान देने योग्य बात है कि पूँजीगत तथा आगम मदों में अंतर किया जाए। समायोजन पर प्रभाव दिखाने के लिये जो प्रविष्टि अभिलेखित की जाती है समायोजन प्रविष्टि कहलाती है।
2. *बकाया व्यय:* लेखांकन वर्ष के अन्त में व्यापारिक संस्था के कुछ व्यय किसी एक या अनेक कारणों से भुगतान करने से रह जाते है इस प्रकार के व्यय बकाया व्यय कहलाते हैं।
3. *पूर्वदत्त व्यय:* लेखांकन वर्ष के अन्त में यह पाया जाता है कि कुछ व्ययों का लाभ पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हुआ है। कुल लाभ का कुछ भाग आगामी लेखांकन वर्ष में प्राप्त होगा। व्यय के उस भाग को जिसका लाभ आगामी वर्ष के दौरान मिलेगा, पूर्ववत व्यय कहलाता है।
4. *अनुपार्जित आय:* वह कुछ मदें जो व्यापारिक संस्थान को प्राप्त हो गयी है परन्तु इनकी समस्त राशि चालू वर्ष से संबंधित नहीं होती है। इस प्रकार की आय का वह भाग जो आगामी लेखांकन अवधि से सम्बंधित अग्रिम प्राप्त आय है को अनुपार्जित आय कहते हैं।
5. *ह्रास:* ह्रास सम्पत्तियों के मूल्य में समय के व्यतीत होने तथा उनमें होने वाली टूट-फूट के कारण कमी करता है। व्यवसाय में लाभ कमाने के उद्देश्य से प्रयोग की गई संपत्तियों की लागत की राशि का वह भाग जो अपलिखित कर दिया जाता है। तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों में ह्रास की राशि को घटाकर दिखाया जाएगा।

© NCERT not to be republished

6. *संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान:* व्यावसायिक क्रियाकलापों के दौरान यह सामान्य है कि कुछ ऋण प्राप्त नहीं होते, इसका अर्थ है कि वह राशि उनसे वसूल नहीं होगी। इस प्रकार के निश्चित तत्वों की राशि जो डूबत ऋण से संबंधित है प्रति वर्ष आय में से ली जाए।

अभ्यास के लिए प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अंतिम खाते बनाते समय समायोजन प्रविष्टि को अभिलेखन करना क्यों आवश्यक है?
2. अंतिम स्टॉक से क्या आशय है? अंतिम खातों में इस का व्यवहार दर्शाइये।
3. अर्थ समझाइये:
   (क) बकाया व्यय
   (ख) पूर्वदत्त व्यय
   (ग) अग्रिम प्राप्त आय
   (घ) उपार्जित आय
4. आय विवरण और तुलन-पत्र का लम्बवत् प्रारूप बनाइये।
5. अंतिम खाते बनाते समय, संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान की आवश्यकता क्यों होती है।
6. निम्न को अभिलेखित करने के लिये कौन सी समायोजन प्रविष्टि की जायेंगी।
   (क) ह्रास
   (ख) देनदारों पर बट्टा
   (ग) पूँजी पर ब्याज
   (घ) प्रबंधक का कमीशन
7. देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान से क्या आश्य है।
8. निम्न समायोजनों के लिये रोजनामचा प्रविष्टि लिखें:
   (क) बकाया वेतन 3,500 रुपये।
   (ख) 6,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत बीमा।
   (ग) 16,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत बीमा।
   (घ) 7,000 रुपये की लागत का फर्नीचर क्रय किया तथा क्रय पुस्तक में लिखा गया।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. समायोजन प्रविष्टि क्या है? अंतिम खाते बनाते समय यह क्यों आवश्यक है।
2. संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान से आप क्या समझते हैं। इससे संबंधित खाते किस प्रकार बनाये जाते हैं तथा अंतिम खातों में रोजनामचा प्रविष्टि क्या होगी? संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान की राशि गणना किस प्रकार करेंगे।

© NCERT not to be republished

3. अंतिम खाते बनाते समय, पूर्वदत्त व्यय, ह्रास और अंतिम स्टॉक का व्यवहार किस प्रकार करेंगे यदि:
   (क) यदि तलपट में दिये हो,
   (ख) यदि तलपट से बाहर हो,

अंकिक प्रश्न

1. राहुल संस से लिये गये शेषों से 31 दिसम्बर 2005 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाइये तथा वर्ष के अंत में तुलन-पत्र भी बनाइये।

खाता शीर्षक	*राशि (रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि (रु.)*
स्टॉक	50,000	विक्रय	1,80,000
मजदूरी	3,000	क्रय वापसी	2,000
वेतन	8,000	प्राप्त बट्टा	500
क्रय	1,75,000	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	2,500
विक्रय वापसी	3,000	पूँजी	3,00,000
विविध देनदार	82,000	देय विपत्र	22,000
बट्टा दिया	1,000	प्राप्त कमीशन	4,000
बीमा	3,200	किराया	6,000
किराया, दरें व कर	4,300	ऋण	34,800
फिक्सचर व फिटिंग्स	20,000		
व्यापारिक व्यय	1,500		
डूबत ऋण	2,000		
आहरण	32,000		
मरम्मत एवं नवीनीकरण व्यय	1,600		
यात्रा व्यय	4,200		
डाक	300		
तार व्यय	200		
कानूनी शुल्क	500		
प्राप्य विपत्र	50,000		
भवन	1,10,000		
	5,51,800		5,51,800

© NCERT not to be republished

समायोजनः

(1) अग्रिम प्राप्त कमीशन 1,000 रुपये।

(2) अप्राप्य किराया 2,000 रुपये।

(3) बकाया वेतन 1,000 रुपये और पूर्वदत्त बीमा 800 रुपये।

(4) अन्य डूबत ऋण 1,000 रुपये तथा देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान तथा देनदारों पर 2% की दर से बट्टा।

(5) अंतिम स्टॉक 32,000 रुपये।

(6) भवन पर ह्रास 6% वार्षिक की दर से।

(*उत्तर:* सकल हानि 17,000 रुपये, निवल हानि 43,189 रुपये, तुलन-पत्र का योग 28,3,611 रुपये)

2. ग्रीन क्लब लिमिटेड के तलपट से ली गई निम्न संख्याओं से 31 दिसंबर 2005 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाइयेः

खाता शीर्षक	*राशि (रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि (रु.)*
आरंभिक स्टॉक	35,000	विक्रय	2,50,000
क्रय	1,25,000	क्रय वापसी	6,000
विक्रय वापसी	25,000	लेनदार	10,000
डाक व तार	600	देय विपत्र	20,000
वेतन	12,300	बट्टा	1,000
मजदूरी	3,000	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	4,500
किराया एवं दर	1,000	प्राप्त व्याज	5,400
पैकेजिंग व परिवहन	500	पूँजी	7,500
समान्य व्यय	400		
बीमा	4,000		
देनदार	50,000		
हस्तस्थ रोकड़	20,000		
बैंक में रोकड़	40,000		
मशीनरी	20,000		
बिजली और ऊर्जा	5,000		
बट्टा	3,500		
डूबत ऋण	3,500		
विनियोग	23,100		
	3,71,900		3,71,900

समायोजनः

(1) मशीनरी पर 5% वर्षिक की दर से ह्रास लगाये।

(2) अन्य डूबत ऋण 1,500 रुपये, देनदारों पर बट्टा 5% की दर से तथा देनदारों पर 6% का प्रावधान करें।

(3) पूर्वदत्त मजदूरी 1,000 रु. है।

(4) विनियोगों पर 5% वार्षिक की दर से ब्याज है।

(5) अंतिम स्टॉक 10,000 रु. हैं।

(*उत्तर:* सकल लाभ 79,000 रु., निवल लाभ 52,565 रु. तुलन पत्र का योग 1,57,565 रु.)

3. निम्न शेष रनवे शाइन लिमिटेड की पुस्तकों से लिये गये हैं। 31 दिसंबर 2005 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
क्रय	1,50,000	विक्रय	2,50,000
आरंभिक स्टॉक	50,000	क्रय वापसी	4,500
विक्रय वापसी	2,000	प्राप्त ब्याज	3,500
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	4,500	प्राप्त बट्टा	400
हस्तस्थ रोकड़	77,800	लेनदार	1,25,000
बैंक में रोकड़	60,800	देय विपत्र	6,040
मजदूरी	2,400	पूँजी	1,00,000
छपाई व लेखन सामग्री	4,500		
बट्टा	400		
डूबत ऋण	1,500		
बीमा	2,500		
विनियोग	32,000		
देनदार	53,000		
प्राप्य विपत्र	20,000		
डाक एवं तार व्यय	400		
ब्याज	1,000		
मरम्मत	440		
बिजली व्यय	500		
टेलीफोन व्यय	100		
बाह्य ढुलाई भाड़ा	400		
मोटर कार	25,000		
	4,89,440		4,89,440

© NCERT not to be republished

समायोजनः

(1) अतिरिक्त डूबत ऋण 1,000 रुपये, देनदारों पर बट्टा 500 रुपये तथा देनदारों पर प्रावधान 5% की दर से करें।

(2) विनियोग पर 5% की दर से ब्याज प्राप्त होगा।

(3) बकाया मजदूरी तथा ब्याज 100 रुपये तथा 200 रुपये क्रमानुसार है।

(4) मोटर कार पर 5% वार्षिक की दर से ह्रास लगायें।

(5) अंतिम स्टॉक 32,500 रुपये।

(*उत्तर:* सकल लाभ 78,000 रुपये निवल लाभ 66,060, तुलन-पत्र का योग 2,97,400 रुपये)

4. निम्न शेष हरियाणा केमिकल लिमिटेड के तलपट लिये गये हैं। दी गई सूचनाओं से 31 दिसंबर 2005 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	50,000	विक्रय	3,50,000
क्रय	1,25,500	क्रय वापसी	2,500
विक्रय वापसी	2,000	लेनदार	25,000
हस्तस्थ रोकड़	21,200	किराया	5,000
बैंक में रोकड़	12,000	ब्याज	2,000
ढुलाई	100	देय विपत्र	1,71,700
प्रभार मुक्त भूमि	3,20,000	पूँजी	3,00,000
पेटैंट	1,20,000		
समान्य व्यय	2,000		
विविध देनदार	32,500		
भवन	86,000		
मशीनरी	34,500		
बीमा	12,400		
आहरण	10,000		
मोटर वाहन	10,500		
डूबत ऋण	2,000		
बिजली तथा पानी	1,200		
व्यापार व्यय	2,000		
उर्जा	3,900		
वेतन तथा मजदूरी	5,400		
ऋण 15% की दर से (01-09-2005)	3,000		
	8,56,200		8,56,200

© NCERT not to be republished

समायोजनः

(1) अतिरिक्त डूबत ऋण 100 रुपये देनदारों पर बट्टा 500 रुपये तथा देनदारों पर प्रावधान 5% की दर से करें।

2) विनियोग पर 5% की दर से व्याज प्राप्त होगा।

3) बकाया मजदूरी तथा ब्याज 100 रुपये तथा 200 रुपये क्रमानुसार है।

4) मोटर कार पर वार्षिक की दर से ह्रास लगाये।

5) अंतिम स्टॉक 32,500 रुपये है।

(*उत्तर:* सकल लाभ 78,000 रुपये निवल लाभ 66,060 रु. तुलन-पत्र का योग 2,97,400 रुपये)

4. निम्न शेष हरियाणा केमिकल लिमिटेड के तलपट लिये गये हैं। दी गई सूचनाओं से 31 दिसंबर 2005 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	50,000	विक्रय	3,50,000
क्रय	1,25,500	क्रय वापसी	2,500
विक्रय वापसी	2,000	लेनदार	25,000
हस्तस्थ रोकड़	21,200	किराया	5,000
बैंक में रोकड़	12,000	व्याज	2,000
ढुलाई	100	देय विपत्र	1,71,700
प्रभार मुक्त भूमि	3,20,000	पूँजी	3,00,000
पेटैंट	1,20,000		
समान्य व्यय	2,000		
विविध देनदार	32,500		
भवन	86,000		
मशीनरी	34,500		
बीमा	12,400		
आहरण	10,000		
मोटर वाहन	10,500		
डूबत ऋण	2,000		
प्रकाश तथा पानी	1,200		
व्यापार व्यय	2,000		
उर्जा	3,900		
वेतन तथा मजदूरी	5,400		
ऋण 15% की दर से (01-09-2005)	3,000		
	8,56,200		8,56,200

समायोजनः

(1) वर्ष के अंत में अंतिम स्टॉक का मूल्य 40,000 आंका गया।

(2) वेतन की राशि 500 रुपये तथा व्यापार व्यय 300 रुपये देय है।

(3) भवन तथा मशीनरी पर ह्रास 4% की दर से तथा 5% की दर से क्रमानुसार लगायें।

(4) विविध देनदारों पर की 4% दर से प्रावधान बनायें।

(5) विविध देनदारों पर 5% की दर से प्रावधान बनायें।

(*उत्तरः* सकल लाभ 2,11,000 रुपये निवल लाभ 1.85.560 रुपये, तुलन-पत्र का योग 6,73,060 रु.)

5. निम्न सूचनाओं से 31 दिसंबर 2005 को समाप्त वर्ष के लिये, इंडियन स्पोर्ट्स हाउस का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आहरण	20,000	पूँजी	2,00,000
विविध देनदार	80,000	क्रय वापसी	2,000
डूबत ऋण	1,000	बैंक अधिविकर्ष	12,000
व्यपार व्यय	2,400	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	4,000
छपाई व लेखन सामग्री	2,000		
किराया, दर व कर	5,000	विविध लेनदार	60,000
भाड़ा	4,000	देय विपत्र	15,400
विक्रय वापसी	7,000	विक्रय	2,76,000
आरंभिक स्टॉक	25,000		
क्रय	1,80,000		
फर्नीचर तथा फिक्सचर्स	20,000		
मशीनरी तथा सयन्त्र	1,00,000		
प्राप्य विपत्र	14,000		
मजदूरी	10,000		
हस्तस्थ रोकड़	6,000		
प्राप्त बट्टा	2,000		
विनियोग	40,000		
मोटर कार	51,000		
	5,69,400		5,69,400

© NCERT not to be republished

समायोजनः

(1) अंतिम स्टॉक 45,000 रुपये है।

(2) संदिग्ध ऋणों के लिये देनदारों पर 2% की दर से प्रावधान बनायें।

(3) फर्नीचर तथा फिक्सचर पर 5 % की दर से, मशीनरी तथा सयन्त्र पर 6% की दर से तथा मोटर कार पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

(4) 01 जुलाई 2005 को 30,000 रुपये की मशीन क्रय की गई।

(5) प्रबंधक को निवल लाभ का 10% कमीशन दिया जायेगा (कमीशन के पश्चात्)

(*उत्तर:* सकल लाभ 1,01,000 रुपये, निवल लाभ 68,909 रुपये, तुलन–पत्र का योग 3,43,200 रुपये, प्रबंधक कमीशन 6,891 रुपये)

6. नीचे दिये गये विवरण से शाईन लिमिडेट का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन–पत्र तैयार करे।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
विविध देनदार	1,00,000	देय विपत्र	85,550
डूबत ऋण	3,000	विविध लेनदार	25,000
व्यापार व्यय	2,500	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	1,500
छपाई व लेखन सामग्री	5,000	क्रय वापसी	4,500
किराया दरें व कर	3,450	पूँजी	2,50,000
भाड़ा	2,250	प्राप्त बट्टा	3,500
विक्रय वापसी	6,000	प्राप्त व्याज	11,260
मोटर कार	25,000	विक्रय	1,00,000
प्रारंभिक स्टॉक	75,550		
फर्नीचर व फिक्चर्स	15,500		
क्रय	75,000		
आहरण	13,560		
विनियोग	65,500		
हस्तस्थ रोकड़	36,000		
बैंक में रोकड़	53,000		
	4,81,310		4,81,310

समायोजनः

(1) अंतिम स्टॉक का मूल्य 35,000 रुपये है।

(2) डूबत ऋण के लिये देनदारों पर 5% की दर से ह्रास लगायें।

© NCERT not to be republished

(3) अतिरिक्त संदिग्ध ऋणों 1,000 रुपये विविध देनदारों पर डूबत ऋण के लिय 5% की दर से, प्रावधान करे।

(4) मोटर कार पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

(5) आहरण पर 6% की दर से ब्याज लगायें।

(6) बकाया किराया, दर व कर 200 रुपये है।

(7) देनदारों पर 2% बट्टा लगायें।

(*उत्तर:* सकल लाभ 17,050 रुपये, निवल हानि 27,344 रुपये, तुलन-पत्र का योग 3,19,032 रुपये)

7. निम्न शेष केश्व इलेक्ट्रोनिक्स के तलपट से लिये गये है आप 31 दिसंबर 2005 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	2,26,000	विक्रय	6,80,000
क्रय	4.40,000	क्रय वापसी	15,000
आहरण	75,000	लेनदार	50,000
भवन	1,00,000	देय विपत्र	63,700
मोटर वैन	30,000	प्राप्त व्याज	20,000
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	3,400	पूँजी	3,50,000
विक्रय वापसी	10,000		
व्यापार व्यय	3,300		
उर्जा	8,000		
वेतन एवं मजदूरी	5,000		
कानूनी शुल्क	3,000		
डाक व तार	1,000		
डूबत ऋण	6,500		
हस्तस्थ रोकड़	79,000		
बैंक में रोकड़	98,000		
विविध देनदार	25,000		
विनियोग	40,000		
बीमा	3,500		
मशीनरी	22,000		
	11,78,700		11,78,700

© NCERT not to be republished

निम्न सूचनायें उपलब्ध है:

(1) 31 दिसंबर 2005 को स्टॉक 30,000 रुपये है।

(2) भवन पर 5% तथा मोटर कार पर 10% ह्रास लगायें।

(3) विविध देनदारों पर 5% सदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान करें।

(4) असमाप्त बीमा 600 रुपये हैं।

(5) प्रबंधक को 5% कमीशन दिया जायेगा निवल लाभ पर कमीशन लगने से पहले।

(*उत्तर:* सकल लाभ 37,600 रुपये, निवल लाभ 25.381 रुपये, तुलन-पत्र का योग 4,15,350 रुपये प्रबंधक कमीशन 1,269 रुपये)

8. रागा लिमिटेड की पुस्तकों से ली गई सूचनाओं के आधार पर 31 दिसंबर 2005 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक लाभ व हानि खाता तथा इस तिथि की तुलन-पत्र बनाये।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आहरण	20,000	विक्रय	2,20,000
भूमि व भवन	12,000	पूँजी	1,01,110
सयन्त्र एवं मशीनरी	40,000	बट्टा	1,260
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	100	परिच्क्षु प्रमियम	5,230
मजदूरी	500	देय विपत्र	1,28,870
वेतन	2,000	क्रय वापसी	10,000
विक्रय वापसी	200		
बैंक व्यय	200		
कोयला गैस तथा पानी	1,200		
क्रय	1,50,000		
व्यापार व्यय	3,800		
स्टॉक (आरंभिक)	76,800		
बैंक में रोकड़	50,000		
दरें व कर	870		
प्राप्य विपत्र	24,500		
विविध देनदार	54,300		
हस्तस्थ रोकड़	30,000		
	4,66,470		4,66,470

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त सूचनायें निम्न हैं–

1. वर्ष के अंत में अंतिम स्टॉक का मूल्य 20,000 रुपये है।
2. सयन्त्र तथा मशीनरी पर 5% तथा भूमि तथा भवन पर 10% ह्रास लगायें।
3. देनदारों पर 3% बट्टा लगाये।
4. संदिग्ध ऋण के लिये देनदारों पर 5% का प्रावधान करें।
5. बकाया वेतन 100 रुपये तथा पूर्ववत मजदूरी 40 रुपये है।
6. प्रबंधक को 5% कमीशन निवल लाभ कमीशन लगने के पश्चात दिया जायेगा।

(*उत्तर:* सकल लाभ 21,240 रुपये, निवल लाभ 12.664 रुपये, प्रबंधक कमीशन 633 रुपये तुलन-पत्र का योग 2,23,377 रुपये मैनेजर कमीशन 633 रु.)

10. निम्न शेष 31 दिसंबर 2005 को ग्रीन हाऊस की पुस्तकों से लिये गये है इस तिथि को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
क्रय	80,000	पूँजी	2,10,000
बैंक शेष	11,000	देय विपत्र	6,500
मजदूरी	34,000	विक्रय	2,00,000
देनदार	70,300	लेनदार	50,000
हस्तस्थ रोकड़	1,200	क्रय वापसी	4,000
कानूनी शुल्क	4,000		
भवन	60,000		
मशीनरी	1,20,000		
प्राप्य विपत्र	7,000		
कार्यालय व्यय	3,000		
आरंभिक स्टॉक	45,000		
गैस तथा ईधन	2,700		
ढुलाई तथा भाड़ा	3,500		
कारखाना प्रकाश	5,000		
कार्यालय फर्नीचर	5,000		
पेटेंट अधिकार	18,800		
	4,70,500		4,70,500

© NCERT not to be republished

समायोजनः

(क) मशीनरी पर 10% तथा भवन पर 6% ह्रास लगायें।

(ख) पूँजी पर व्याज की दर 4% है।

(ग) बकाया मजदूरी 50 रुपये है।

(घ) अंतिम स्टॉक 50,000 रुपये है।

(*उत्तर:* सकल लाभ 83,750, निवल लाभ 52,750 रुपये, तुलन-पत्र का योग 3,19,250 रुपये)

11. 31 मार्च 2005 को मंजू चावला की पुस्तकों से निम्न शेष लिये गये हैं आप इस तिथि को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें।

खाता शीर्षक	*नाम राशि(रु.)*	*जमा राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	10,000	
क्रय तथा विक्रय	40,000	80,000
वापसी	200	600
मजदूरी	6,000	
गोदी एवं निकासी व्यय	4,000	
बिजली	4,000	
विविध आय	500	
किराया		6,000
हस्तस्थ रोकड़		2,000
पूँजी		40,000
आहरण	2,000	
देनदार एवं लेनदार	6,000	7,000
रोकड़	3,000	
विनियोग	6,000	
पेटेंट	4,000	
भूमि तथा मशीनरी	43,000	
दान तथा सहायता	600	
जमा बिक्री कर		1,000
फर्नीचर	11,300	
	1,36,600	1,36,600

© NCERT not to be republished

अंतिम स्टॉक 2,000 रुपये का है

(क) आहरण पर 7% की दर से व्याज तथा पूँजी पर 5% की दर से व्याज लगायें।

(ख) भूमि तथा मशीनरी पर 5% का ह्रास लगायें।

(ग) विनियोग पर ब्याज की दर 6% है।

(घ) असमाप्त किराया 100 रुपये है।

(च) फर्नीचर पर 5% ह्रास लगाये।

(*उत्तर:* सकल लाभ 30,900 रुपये, निवल लाभ 26,185 रुपये, तुलन-पत्र का योग 71,185 रुपये)

12. निम्न शेष 31 दिसंबर 2005 को पंचशील गरमेंट्स की पुस्तकों से लिये गये है।

खाता शीर्षक	*नाम राशि (रु.)*	*खाता शीर्षक*	*जमा राशि (रु.)*
आरंभिक स्टॉक	16,000	विक्रय	1,12,000
क्रय	67,600	क्रय वापसी	3,200
विक्रय वापसी	4,600	बट्टा	1,400
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	1,400	बैंक अधिविकर्ष	10,000
सामान्य व्यय	2,400	कमीशन	1,800
बीमा	4,000	लेनदार	16,000
स्कूटर व्यय	200	पूँजी	50,000
वेतन	8,800		
हस्तस्थ रोकड़	4,000		
स्कूटर	8,000		
फर्नीचर	5,200		
भवन	65,000		
देनदार	6,000		
मजदूरी	1,200		
	1,94,400		1,94,400

दिसंबर को समाप्त वर्ष के नीचे व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा इस तिथि को तुलन-पत्र तैयार करें।

(क) असमाप्त बीमा 1,000 रुपये।

(ख) 1,800 रुपये वेतन देय है अभी भूगतान नहीं किया गया।

(ग) बकाया मजदूरी 200 रुपये है।

(घ) पूँजी पर ब्याज 5% लगायें।

© NCERT not to be republished

(च) स्कूटर पर 5% की दर से ह्रास लगायें।

(छ) फर्नीचर पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

(*उत्तर:* सकल लाभ 39,200 रुपये, निवल लाभ 22,780 रुपये, तुलन-पत्र का योग 98,780 रुपये)

13. निम्न शेष से 31 दिसंबर 2006 को कंट्रोल डिवाईस इंडिया का व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें:

खाता शीर्षक	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
आहरण तथा पूँजी	19,530	67,500
क्रय एवं विक्रय	45,000	1,12,500
वेतन तथा कमीशन	25,470	1,575
ढुलाई	2,700	
संयन्त्र तथा मशीनरी	27,000	
फर्नीचर	6,750	
आरंभिक स्टॉक	42,300	
बीमा की किस्त	2,700	
ब्याज		7,425
बैंक अधिविकर्ष		24,660
किराया व कर	2,160	
मजदूरी	11,215	
वापसीयाँ	2,385	1,440
वाह्य ढुलाई भाड़ा	1,485	
देनदार व लेनदार	36,000	58,500
समान्य व्यय	6,975	
चुंगी	530	
विनियोग	41,400	
	2,73,600	2,73,600

अंतिम स्टॉक का मूल्य 20,000 रुपये है।

(क) पूँजी पर ब्याज की दर 10%।

(ख) आहरण पर ब्याज की दर 5%।

(ग) बकाया मजदूरी 50 रुपये।

(घ) बकाया वेतन 20% रुपये।

© NCERT not to be republished

(च) संयन्त्र तथा मशीनरी पर 5% का प्रावधान करें।

(छ) देनदारों पर 5% की दर से प्रावधान करें।

(उत्तर: सकल लाभ 29,760 रुपये, निवल हानि 8,973, तुलन-पत्र का योग 1,28,000 रुपये)

14. कपिल ट्रैडर्स के तलपट में 31 मार्च 2006 को निम्न शेष दिये गये हैं

विविध देनदार	30,500 रु.
डूबत ऋण	500 रु.
डूबत ऋण के लिये प्रावधान	2,000 रु.

फर्म के साझेदार इससे सहमत है कि फर्म की पुस्तकों में निम्न समायोजन का अभिलेखन करें, अन्य डूबत ऋण 300 रुपये, ऋण के लिये 10% का प्रावधान करें, उपरोक्त समायोजनो को डूबत ऋण खाता, प्रावधान खाता, देनदार खाता, लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र में दर्शायें।

(उत्तर: (नाम) लाभ व हानि खाता 1,820 रुपये)

15. निम्न सूचनाओं से 31 दिसंबर 2005 को डूबत ऋण खाता, प्रावधान खाता लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनाये।

	रु.
देनदार	80,000
डूबत ऋण	2,000
डूबत ऋण के लिये प्रावधान	5,000

समायोजन:

डूबत ऋण 500 रुपये, देनदारों पर 3% की दर से प्रावधान

(उत्तर: (जमा) लाभ व हानि खाता 115 रुपये)

स्वयं जांचिये हेतू जाँच सूची

1 (ग) 2 (घ) 3 (ख) 4 (क) 5 (घ)

© NCERT not to be republished